आरजी कर डॉक्टर हत्या मामले में फेडरेशन ऑफ रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन ने सोमवार को देशभर में वैकल्पिक सेवाएं बंद करने की घोषणा की है।

जनहितैषी

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 64278/96 वर्ष:29 अंक: 100 दिनांक:12-08-2024 सोमवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 वडोदरा M

भारत में अब पोषण क्रांति लाने की शुरुआत हो गई है। इसके तहत कृषि वैज्ञानिकों ने 109 किस्म के उन्नत बीज का विकास किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को इन उन्नत बीजों को लॉंच किया है।

हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के बाद तेज हुआ आरोप-प्रत्यारोप का दौर

जयराम का आरोप- सेबी चीफ ने अडानी से मीटिंग्स की, उनकी कंपनियों में हिस्सेदारी ली, हिंडनबर्ग पर चर्चा से बचने संसद की गई स्थगित

मोदी ने अडाणी को बचाने की साजिश रची

नई दिल्ली(ईएमएस)। हिंडनबर्ग की रिपोर्ट में अडाणी ग्रुप की कंपनियों में सेबी चीफ माधबी पुरी बुच की हिस्सेदारी के खुलासे के बाद राजनीति शुरू हो गई है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि संसद का मानसून सत्र 12 अगस्त तक चलने वाला था। हालांकि, इसे 9 अगस्त को अचानक अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया। अब हमें इसका कारण पता चला। जयराम रमेश ने इस ओर इशारा किया कि सरकार को रिपोर्ट की भनक पहले ही लग गई थी। इसलिए 12 अगस्त तक चलने वाली संसद को जानबूझकर तीन दिन पहले स्थगित कराया। ताकी इस पर चर्चा न हो सके। कांग्रेस ने कहा है कि नरेंद्र मोदी ने जांच के नाम पर अपने परम मित्र (अडाणी) को बचाने की साजिश रची है।

जयराम रमेश ने एक्स पर हिंडनबर्ग रिपोर्ट को लेकर बयान भी जारी किया। इसके कांग्रेस ने भी शेयर किया है। अडानी महाघोटाले की जांच सेबी को दी गई। अब खबर है कि सेबी की चीफ माधवी बुच भी अडानी महाघोटाले में शामिल हैं। मतलब घोटाले की जांच करने वाला ही घोटाले में शामिल है। है ना कमाल की बात। उन्होंने आरोप लगाया कि 2022 में सेबी चीफ बनने के तुरंत बाद माधबी पुरी बुच ने गौतम अडाणी के साथ दो मीटिंग्स की। जबकि, उस समय सेबी कथित तौर पर अडाणी के लेन-देन की जांच कर रहा था। कांग्रेस ने कहा है कि इस महाघोटाले की सही जांच सिर्फ जॉइंट पार्लियामेंट्री कमेटी से हो सकती है। हालांकि, मोदी सरकार जेपीएस बनाने को तैयार नहीं है। पीएम मोदी कब तक अडानी को बचा पाएंगे, एक न एक दिन तो पकड़े जाएंगे।

हिस्सेदारी हासिल करने नियमों का उल्लंघन

कांग्रेस महासचिव ने लिखा कि हिंडनबर्ग रिसर्च के खुलासे हैरान करने वाले हैं। इससे पता चलता है कि माधबी और उनके पति धवल बुच ने बरमूडा और मॉरीशस स्थित ऑफशोर फंड में निवेश किया था। इसी फंड में अडाणी के भाई विनोद अडाणी और उनके करीबी सहयोगियों चांग चुंग-लिंग और नासिर अली शाहबान अहली ने बिजली उपकरणों के ओवर-इनवॉइसिंग से कमाए रुपए इन्वेस्ट किए थे। जयराम ने लिखा कि सेबी के नियमों का उल्लंघन करके इन फंड्स का इस्तेमाल अडाणी ग्रुप की कंपनियों में हिस्सेदारी हासिल करने के लिए किया गया। यह बेहद चौंकाने वाली बात है कि बुच की इन्हीं फंड्स में वित्तीय हिस्सेदारी थी। कांग्रेस महासचिव ने आगे बताया कि अडाणी से जुड़े घोटाले की जांच करने में सेबी की अनिच्छा लंबे समय से सबके सामने है। सुप्रीम कोर्ट की एक्सपर्ट कमेटी ने इसका संज्ञान भी लिया था।

माधबी बुच ने आरोपों से इनकार किया

माधवी बुच ने हिंडनबर्ग की रिपोर्ट में अपने ऊपर लगे आरोपों को निराधार और चरित्र हनन का प्रयास बताया है। सेबी चेयरपर्सन ने सभी फाइनेंशियल रिकॉर्ड डिक्लेयर करने की इच्छा व्यक्त की है। अपने पति धवल बुच के साथ एक जॉइंट स्टेटमेंट में उन्होंने कहा कि हमारा जीवन और फाइनेंसेस एक खुली किताब है। व्हिसलब्लोअर दस्तावेजों के आधार पर हिंडनबर्ग ने दावा किया है कि बुच और उनके पति की मॉरीशस की ऑफशोर कंपनी 'ग्लोबल डायनामिक अपॉच्र्युनिटी फंड' में हिस्सेदारी है।हिंडनबर्ग रिसर्च पिछले साल अडाणी ग्रुप पर वित्तीय अनियमितता के आरोप लगाकर चर्चा में आई थी। इस बार हिंडनबर्ग ने आरोप लगाया है कि 'ग्लोबल डायनामिक अपॉच्र्युनिटी फंड' में कथित तौर पर अडाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडाणी के भाई विनोद अडाणी ने अरबों डॉलर निवेश किए हैं। इस पैसे का इस्तेमाल अडाणी ग्रुप के शेयरों के दामों में तेजी लाने के लिए किया गया था।

हिंडनबर्ग ने अपने फायदे के लिए ऐसा किया

हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट का अडाणी ग्रुप ने भी खंडन किया है। ग्रुप ने कहा- हिंडनबर्ग ने अपने फायदे के लिए सार्वजनिक रूप से उपलब्ध जानकारी का गलत इस्तेमाल किया। अडाणी ग्रुप पर लगाए आरोप पहले ही निराधार साबित हो चुके हैं। गहन जांच के बाद सुप्रीम कोर्ट ने जनवरी 2024 में हिंडनबर्ग के आरोपों को खारिज कर दिया था।

हिंडनबर्ग का दावा: सेबी चेयरपर्सन और उनके पति की ऑफशोर फंडों में हिस्सेदारी

व्हिसलब्लोअर दस्तावेजों से पता चलता है कि सेबी की वर्तमान चेयरपर्सन माधबी बुच और उनके पति की अडाणी मनी साइफनिंग घोटाले में इस्तेमाल किए गए दोनों ऑफशोर फंडों (बरमूडा और मॉरीशस) में हिस्सेदारी थी, जिसका इस्तेमाल विनोद अडाणी ने किया था। ऐसा लगता है कि माधबी बुच और उनके पति धवल बुच ने पहली बार 5 जून, 2015 को सिंगापुर में आईपीई प्लस फंड 1 के साथ अपना अकाउंट खोला था। निवेश का सोर्स सैलरी है और कपल की नेटवर्थ ?10 मिलियन आंकी गई है। माधबी बुच को अप्रैल 2017 में सेबी का होलटाइम मेंबर नियुक्त किया गया था। इस नियुक्ति से कुछ हफ्ते पहले, माधबी के पति, धवल बुच ने मॉरीशस फंड एडमिनिस्ट्रेटर ट्राइडेंट ट्रस्ट ग्लोबल डायनेमिक अपॉर्चुनिटीज फंड में निवेश के संबंध में ईमेल लिखा था। ईमेल में, धवल बुच ने खातों को संचालित करने के लिए अधिकृत एकमात्र व्यक्ति होने का अनुरोध किया था। हिंडनबर्ग ने कहा- ऐसा लगता है कि राजनीतिक रूप से संवेदनशील नियुक्ति से पहले संपत्ति को अपनी पत्नी के नाम से हटा दिया गया है। 26 फरवरी, 2018 को माधबी बुच के निजी ईमेल को संबोधित एक बाद के अकाउंट स्टेटमेंट में, स्ट्रक्चर की पूरी डिटेल्स सामने आई है-जीडीओएफ सेल 90। उस समय बुच की हिस्सेदारी की वैल्यू 8.72 लाख डॉलर थी। अप्रैल 2017 से मार्च 2022 तक, माधबी का एगोरा पार्टनर्स नाम की सिंगापुर ऑफशोर कंसल्टिंग फर्म अगोरा पार्टनर्स में 100 प्रतिशत इंटरेस्ट था। 16 मार्च, 2022 को, सेबी चेयरपर्सन के रूप में नियुक्ति के बाद, उन्होंने चुपचाप शेयर अपने पति को ट्रांसफर कर दिए।

हरित और श्वेत क्रांति के बाद अब पोषण क्रांति

पीएम मोदी ने उन्नत किस्म के बीज लॉन्च किया

नई दिल्ली,(ईएमएस)। भारत में हरित और श्वेत क्रांति के बाद अब पोषण क्रांति लाने की शुरुआत हो गई है। इसके तहत कृषि वैज्ञानिकों ने भारतीय जलवायु के हिसाब से 109 किस्म के उन्नत बीज का विकास किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को इन उन्नत बीजों को लॉंच किया है।

इस अवसर पर पीएम मोदी ने किसानों से कहा कि खास बात तो यह है कि ये सभी 109 बीज उच्च उपज देने वाले, जलवायु के अनुकूल और भरपूर पोषणयुक्त हैं। इसी के साथ दिल्ली में स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान में पीएम मोदी ने नई फसल किस्मों को लॉंच किया। इस अवसर पर उन्होंने नई फसल किस्मों के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि इन फसल किस्मों से किसानों को काफी लाभ होगा। इनसे खर्च कम होगा और पर्यावरण पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। इन नई किस्मों की तारीफ किसानों ने भी की है। उन्होंने यहां प्राकृतिक खेती के लाभ और जैविक खाद्य पदार्थों की बढ़ती मांग के विषय में भी चर्चा की। यहां पर प्रधानमंत्री मोदी ने कृषि विज्ञान केन्द्रों की भूमिका की भी सराहना की और सुझाव देते हुए कहा कि विज्ञान केंद्रों को हर महीने नई किस्मों के बारे में किसानों को जानकारी देना चाहिए, ताकि किसानों में इनके प्रति अधिक जागरूकता आए। इसके साथ ही पीएम मोदी ने इन नई फसल किस्मों के विकास में योगदान देने वाले वैज्ञानिकों की भी प्रशंसा की है। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिकों ने बताया है कि वे प्रधानमंत्री के सुझाव अनुसार इन फसलों को मुख्यधारा में लाने के प्रयास में लगे हुए हैं।

पीएम मोदी द्वारा जारी 109 किस्मों में 61 फसलें भी शामिल हैं, जिनमें 34 अन्न-तेलहन और 27 बागवानी की फसलें हैं। इनमें विभिन्न प्रकार के अनाज, चारा, तेलहन, दाल, गन्ना, कपास आदि की फसलें और अन्य संभावित फसलों के बीज शामिल किए गए हैं।

राहुल की मांग से केरल में गरमाई सियासत,खंगाले जा रहे पुराने रिकॉर्ड

तिरुवनंतपुरम(ईएमएस)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने वायनाड में हुए भूस्खलन को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने की मांग की है। इस मांग के बाद केरल की राजनीति में भूचाल आ गया है। पुराने रिकॉर्ड खंगाले जा रहे हैं और काउंटर करने की कोशिशें शुरु हो गई हैं। केंद्र सरकार के नियमों में एक चौंकाने वाली बात सामने आई है।

नियम के मुताबिक, किसी भी भूस्खलन को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने का कोई कानूनी प्रावधान नहीं है। यही बात 2013 में कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार ने कही थी। तत्कालीन गृह राज्य मंत्री मुल्लापल्ली रामचंद्रन ने लोकसभा में राष्ट्रीय आपदा से जुड़े एक सवाल के जवाब में कहा था, प्राकृतिक आपदा को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने का कोई प्रावधान नहीं है।

10वें वित्त आयोग ने एक प्रस्ताव की जांच के आधार पर कहा था कि दुर्लभ गंभीरता को राष्ट्रीय आपदा कहा जाता है, जैसे किसी राज्य की एक तिहाई आबादी उस त्रासदी से प्रभावित हुई हो। हालांकि पैनल ने दुर्लभ गंभीरता को अलग से परिभाषित नहीं किया था। 2023 में उत्तराखंड के जोशीमठ में जमीन धंसने की घटना, 2015 में असम बाढ़, 2014 में आंध्र प्रदेश में चक्रवात हुदहुद और उसी साल उत्तराखंड में आई बाढ़ को भी राष्ट्रीय आपदा घोषित करने की मांग की गई थी। केंद्र सरकार की ओर से नैशनल डिजास्टर रेस्पॉन्स फंड से फंड दिया जाता है। इसके अलावा केंद्र और राज्य के बीच 3:1 के योगदान पर एक आपदा राहत कोष भी बनाया जाता है। फंड पर्याप्त नहीं होने पर राष्ट्रीय आपदा आकस्मिक निधि से भी अतिरिक्त मदद पर भी विचार किया जाता है, जो पूरी तरह से केंद्र सरकार की तरफ से दी जाती है।

कांग्रेस पार्टी बार-बार वायनाड त्रासदी को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने की मांग कर रही है। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी के वायनाड दौरे से पहले एक पोस्ट भी शेयर किया, जिसमें उन्होंने प्रधानमंत्री का वायनाड का दौरा करने पर आभार व्यक्त किया। राहुल गांधी ने लिखा, व्यक्तिगत रूप से भयानक त्रासदी का जायजा लेने वायनाड जाने के लिए आपका धन्यवाद, मोदी जी। ये एक अच्छा फैसला है। मुझे विश्वास है कि एक बार जब प्रधानमंत्री प्रत्यक्ष रूप से तबाही देख लेंगे, तो वह इसे राष्ट्रीय आपदा घोषित कर देंगे। वहीं, भाजपा नेताओं ने कांग्रेस पर इस त्रासदी का राजनीतिकरण करने और राजनीतिक लाभ उठाने का आरोप लगाया। भाजपा नेता अनिल एंटनी ने कहा कि राहुल कई वर्षों से सांसद हैं और विपक्ष के नेता भी हैं, लेकिन वे त्रासदी पर राजनीतिक लाभ लेने पर तुले हुए हैं। तत्कालीन गृह राज्य मंत्री मुल्लापल्ली रामचंद्रन ने 2013 में लोकसभा में कहा था, प्राकृतिक आपदा को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने का प्रावधान नहीं है। केंद्र सरकार गंभीर स्वरूप वाली आपदा को केस के आधार पर देखती है। इसमें आपदा की प्रकृति, राहत मदद का स्तर, त्रासदी से निपटने में राज्य की क्षमता, राहत और मदद देने के लिए बनी योजना के विकल्पों को देखा जाता है।

शराब घोटाले में ईडी का बड़ा खुलासा

आबकारी मंत्री की भूमिका में था ढेबर

रायपुर (ईएमएस)। छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में ईडी ने प्रेस नोट जारी कर खुलासा किया है कि अनवर ढेबर वो ताकतवर व्यक्ति था, जो तत्कालीन आईएएस रहे अनिल टुटेजा के साथ मिलकर शराब सिंडिकेट चलाता था। दोनों ने मिलकर पूरे घोटाले की साजिश रची। अनिल टुटेजा के प्रभाव का इस्तेमाल करते हुए अनवर आबकारी विभाग में अपने पसंदीदा अधिकारियों को नियुक्त करता था। इस तरह वह वास्तविक आबकारी विभाग का मंत्री बन गया था। दरअसल, कारोबारी अनवर ढेबर और अरुणपति त्रिपाठी को यूपी के मेरठ से रायपुर लाने के बाद 14 अगस्त तक ईडी की हिरासत में रखा गया था। दोनों से पूछताछ की जा रही है।

ईडी ने पूरे घोटाले को तीन पार्ट में बाट दिया है। पार्ट-ए, बी, सी और एफएल-10ए लाइसेंस धारकों से रिश्वत वसूली का पूरा रैकेट चलाया जाता था। सरकारी शराब दुकानों से बेहिसाब अवैध शराब बेच कर 2100 करोड़ रुपए का घोटाला किया गया।

एपी त्रिपाठी की घोटाले में अहम भूमिका

ईडी की जांच में यह खुलासा हुआ है कि, अरुणपति त्रिपाठी की सरकारी शराब की दुकानों (जिसे पार्ट-बी कहा जाता है) के माध्यम से बेहिसाब शराब की बिक्री की योजना को लागू करने में अहम भूमिका थी। उसने ही 15 जिले जहां अधिक शराब बिक्री होती थी और राजस्व आता था, उन जिलों के जिला आबकारी अधिकारियों के साथ मीटिंग कर अवैध शराब बेचने के निर्देश दिए थे।

डुप्लीकेट होलोग्राम की व्यवस्था की

ईडी ने अपने प्रेस नोट में बताया कि, एपी त्रिपाठी ने ही विधु गुप्ता के साथ डुप्लीकेट होलोग्राम की व्यवस्था की थी। जांच में पता चला है कि शराब की बिक्री से आने वाले पैसों में एक निश्चित राशि अरुण पति त्रिपाठी को दी जाती थी।

पंजाब मेल में आग की अफवाह फैलते ही चलती ट्रेन से कूदे लोग, 20 घायल

शाहजहांपुर,(ईएमएस)। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर में रविवार सुबह पंजाब मेल में आग लगने की अफवाह फैलने से भगदड़ मच गई। चलती ट्रेन से कूदने के कारण करीब 20 से ज्यादा यात्री घायल हो गए, जबकि 7 लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। घायलों को शाहजहांपुर मेडिकल कॉलेज में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। घटना बरेली और कटरा स्टेशन के मध्य होना बताई गई है।

प्राप्त जानकारी अनुसार पंजाब मेल में अचानक आग लगने की अफवाह फैली, जिससे घबराकर अनेक यात्री चलती ट्रेन से ही कूदना शुरु कर दिए। घबराहट में लोग अपनी- अपनी जान बचाने यहां-वहां भागने लगे। इस भगदड़ में अनेक लोग घायल हो गए। घायलों में 7 लोगों की हालत गंभीर बताई गई है। घायलों को इलाज के लिए शाहजहांपुर मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। यह हादसा पंजाब मेंल एक्सप्रेस ट्रेन नंबर 13006 अमृतसर से हावड़ा जाने वाली ट्रेन में हुआ है।

जानकारी अनुसार पंजाब मेल अमृतसर से हावड़ा की ओर जा रही थी तभी सुबह तकरीबन 8:30 बजे बिलपुर कटरा स्टेशन के पास जनरल कोच में धुंआ उठता दिखाई दिया। लोगों को लगा बोगी में आग लगी हुई है। आग लगने की अफवाह फैली और तभी यात्री चलती ट्रेन से ही कूदकर भागने लगे। प्रत्यक्षदर्शियों के हवाले से बताया गया कि धुंआ सीजफायर सिलेंडर के लीक होने से उठा था।

केजरीवाल का बंगला रेनोवेट करने वाले सस्पेंड

नई दिल्ली (ईएमएस)। सेंट्रल पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट ने तीन इंजीनियरों को सस्पेंड कर किया है। इन पर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आधिकारिक आवास के रेनोवेशन में हुई कथित अनियमितताओं में शामिल होने का आरोप है। इन इंजीनियर्स ने चार और लोगों के साथ मिलकर केजरीवाल के कहने पर मॉडिफिकेशन के नाम पर कई नियमों का उल्लंघन किया और सामान की लागत भी बढ़ा-चढ़ाकर बताई। इन इंजीनियरों का नाम प्रदीप कुमार परमार, अभिषेक राज और अशोक कुमार राजदेव है। केजरीवाल का बंगला रेनोवेट करने में इन तीनों की भूमिका सबसे ज्यादा थी। इनका साथ देने वाले चारों लोगों को भी सस्पेंड कर दिया गया है। मामले की जांच पहले से ही सीबीआई कर रही है।

पांच सौ के नकली नोट बनाने के सामान के साथ चार लोग गिरफ्तार

मुंबई,(ईएमएस)। महाराष्ट्र के वाशिम में पुलिस ने नकली नोट बनाने वाले चार लोगों गिरफ्तार किया है। यह लोग नोदेड़ से आ रहे थे। इसी दौरान पुलिस ने नाकाबंदी पर रोककर तलाशी ली तो उनकी कार से कागज के कुछ बंडल और एक प्लास्टिक की कैन में लिक्विड जैसा सामान मिला है। यह आरोपी एक लाख रुपए में नकली नोट बनाने का सामान खरीदकर ला रहे थे।

दरअसल, मंगरूलपीर थाना क्षेत्र में पुलिस को सूचना मिली कि नकली नोटों का कारोबार करने वाले तीन लोग कार से नांदेड़ से आ रहे हैं। इसके बाद पुलिस ने इलाके में नाकाबंदी कर दी। उसी दौरान एक कार दिखाई दी। पुलिस ने कार को रोकने का इशारा किया लेकिन कार ने तेज रफ्तार कर दी और रोकी नहीं। इसके बाद पुलिस ने पीछा किया। इस पर आरोपियों ने कार की स्पीड बढ़ा दी और भागने का प्रयास करने लगे। कुछ दूर जाने के बाद पुलिस ने कार को रोक लिया और तलाशी ली। इस दौरान पुलिस को कार से बड़ी थैली में कागज के कुछ बंडल और एक लिक्विड पदार्थ मिला, जिसे जब्त कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों से पूछताछ की गई तो उन्होंने गोलमोल जवाब दिए। जब सख्ती बरती तो उन्होंने बताया कि नांदेड़ से नसरुल्ला खान उर्फ हाजी साहब नाम के व्यक्ति से एम लाख रुपए देकर 500 के नकली नोट बनाने का सामान खरीदा था। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इसके साथ मंगरूलपीर पुलिस ने नांदेड़ से चौथे आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया है। चारों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई जारी है।

हर परमाणु हथियार से लैस है भारत की नई पनडुब्बी, आईएनएस अरिघात

नई दिल्ली(ईएमएस)। चीन हिंद महासागर इलाके में अपनी नौसेना की मौजूदगी तेजी से बढ़ रहा है। इससे निपटने के लिए भारत ने भी अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। विजाग शिप-बिल्डिंग सेंटर (एसबीसी) में बनाई गई 6,000 टन वजनी आईएनएस अरिघात काफी लंबे समय से जारी परीक्षणों के बाद औपचारिक कमीशनिंग के लिए पूरी तरह तैयार है। इन परीक्षणों के दौर में लंबे समय तक अपग्रेड के साथ कुछ तकनीकी मुद्दों को हल किया गया।

हिंद महासागर में चीन की लगातार बढ़ती घुसपैठ से निपटने के लिए भारत ने अब पूरी तरह कमर कस ली है। इसके लिए अपनी पनडुब्बियों के बेड़े को भारत पूरी तरह चाक- चौबंद करने में जुट गया है। भारत में परमाणु ईंधन से चलने वाली और परमाणु हथियारों से लैस पनडुब्बियों को बनाने की दिशा में एक बड़ी छलांग लगाई है। इन कोशिशों के सफल होने के बाद भारत अपनी दूसरी परमाणु-संचालित पनडुब्बी को चालू करने के लिए पूरी तरह तैयार है। यह पनडुब्बी किसी भी तरह की जंग के लिए परमाणु मिसाइलों से लैस है। इसके साथ ही पारंपरिक हथियारों से लैस दो परमाणु-संचालित हमलावर पनडुब्बियों को बनाने की परियोजना भी अंतिम मंजूरी के लिए तैयार है।

भारत जल्द ही परमाणु ईंधन से चलने वाली पारंपरिक और गैर-परमाणु हथियारों से लैस 2 पनडुब्बियों को बनाने के प्रोजेक्ट को जल्द ही अपनी मंजूरी दे सकता है। ये दोनो पनडुब्बियां टॉरपीडो, एंटी-शिप और लैंड-अटैक मिसाइलों से लैस होंगी। लगभग 40,000 करोड़ रुपये की इस परियोजना को बार-बार की जांच और संबंधित कई मंत्रालयें के विचार के बाद अंतिम मंजूरी के लिए अब पीएम की अगुवाई वाली कैबिनेट सुरक्षा समिति के सामने रख दिया गया है। पहले 'प्रोजेक्ट-77' के तहत छह ऐसी 6,000 टन की 'हंटर-किलर' पनडुब्बियों को बनाया जाना था। बाद में इनकी संख्या को घटाकर केवल 2 कर दिया गया। बताया गया है कि इन 2 मारक पनडुब्बियों को बनाने में एक दशक लगेगा, जो लगभग 95 फीसदी स्वदेशी होंगी। जबकि अगली 4 पनडुब्बियों को बाद के चरण में मंजूरी दी जाएगी। भारत को चीन और पाकिस्तान से दोहरे खतरे से निपटने के लिए कम से कम 18 डीजल-इलेक्ट्रिक पनडुब्बियों, चार एसएसबीएन और छह एसएसएन की जरूरत है।

लाल किले से 15 अगस्त को प्रधानमंत्री के 11 सूत्रीय कार्यक्रम

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लाल किले से विकसित भारत के लिए 11 सूत्रीय प्रोग्राम की घोषणा कर सकते हैं। इसके लिए मंत्रालय द्वारा व्यापक स्तर पर कार्रवाई की जा रही है। इन 11 सूत्रीय कार्यक्रम में विश्व बंधु भारत का संकल्प देशवासियों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दिलाएंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल का पहला संबोधन, लाल किले से होगा। पहले वह 10 बार लाल किले से देश की जनता को संबोधित कर चुके हैं। प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के बाद वह दूसरे प्रधानमंत्री होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार 11वीं बार लाल किले से संबोधन देंगे।

तुंगभद्रा बांध का द्वार टूटा, कृष्णा नदी के किनारे रहने वालों को किया सतर्क

कुरनूल (ईएमएस)। आंध्र प्रदेश में एपीएसडीएमए ने तुंगभद्रा बांध का द्वार बहने के बाद कृष्णा नदी के किनारे रह रहे लोगों को रविवार को सतर्क रहने की सलाह दी है। एपीएसडीएमए के प्रबंध निदेशक आर कुर्मानाध ने कहा कि चेन की एक कड़ी टूटने से द्वार 19 बह गया है। यह हादसा होसपेट में शनिवार रात हुआ। कुर्मानाध ने एक विज्ञप्ति में कहा कि बाढ़ का लगभग 35,000 क्यूसेक पानी बह गया और 48 हजार क्यूसेक पानी नीचे की ओर छोड़ा जाएगा। कुरनूल जिले के कोसिरी, मंत्रालयम, नंदावरम और कौथलम के लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है। प्रबंध निदेशक ने कृष्णा नदी के तटों के पास रह रहे लोगों को नदी को पार न करने की सलाह दी है।

घटिया हेलमेट बनाने वाली फैक्ट्री को सील करेंगे कलेक्टर

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्रीय उपभोक्ता मंत्रालय द्वारा देश के सभी 736 जिला कलेक्टर तथा जिला मजिस्ट्रेट को आदेश दिया है। उनके जिले में आईएसआई मानक के हेलमेट का विक्रय हो। यदि उनके जिले में कोई हेलमेट निर्माता है। तो वह भी मानक के अनुसार हेलमेट का निर्माण करें। यदि घटिया क्वालिटी का हेलमेट पाया जाए, उस फैक्ट्री को सील करने के आदेश जिला कलेक्टर को दिए गये हैं।

उपभोक्ता मंत्रालय के अपर सचिव भरत खेड़ा द्वारा यह आदेश सभी जिले के कलेक्टर को भेजा गया है। घटिया हेलमेट के निर्माण और बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है। सभी जिला कलेक्टर को सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। यह कार्रवाई सड़क सुरक्षा अभियान के तहत की गई है।

पीएम मोदी ने 109 किस्मों के बीज किए जारी

लोग जैविक फूड की ओर बढ़ रहे

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को दिल्ली के भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान में ज्यादा उपज देने वाली 61 फसलों की 109 किस्में जारी कीं। इनमें 34 फसलें बाजरा, पशु चारा, तिलहन, दलहन, गन्ना, कपास, फाइबर और अन्य की हैं। वहीं, 27 बागवानी फसलें हैं, जिनमें फल, सब्जी, मसाले, फूल और औषधीय फसलों की विभिन्न किस्में शामिल हैं।

इस दौरान पीएम ने किसानों और वैज्ञानिकों से बातचीत भी की। पीएम ने नैचुरल खेती के फायदों और जैविक खेती में आम लोगों के बढ़ते विश्वास के बारे में भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि लोगों ने जैविक फूड आइटम्स का उपभोग और मांग करना शुरू कर दी है। प्रधानमंत्री ने सुझाव दिया कि कृषि विज्ञान केन्द्र को हर महीने विकसित की जा रही नई किस्मों के बारे में किसानों को बताना चाहिए। वहीं, किसानों ने कहा कि ये नई किस्में बहुत फायदेमंद होंगी। इससे खर्च कम होगा और एन्वायर्नमेंट पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

किसान कर्ज में डूबे: पवार

एनसीपी (शरद गुट) के अध्यक्ष शरद पवार ने रविवार को किसानों की आय दोगुनी करने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आश्वासन पर दावा किया कि भाजपा शासन में किसानों की आत्महत्याएं दोगुनी हो गई हैं। वे महाराष्ट्र के सोलापुर में एक रैली को संबोधित कर रहे थे। पवार ने दावा किया कि किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य नहीं मिल रहा है और वे कर्ज में डूबे हुए हैं। इसके लिए कर्ज माफ किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब मैं कृषि मंत्रालय संभाल रहा था तब ऐसा किया गया था। पवार ने कहा कि समय की मांग है कि राज्य में सरकार बदली जाए और ऐसी सरकार बनाई जाए जो किसानों, युवाओं और महिलाओं के हितों की रक्षा करे। केंद्र और राज्य की भाजपा सरकारों ने किसानों की मुश्किलें कम करने और युवाओं को रोजगार देने में अपनी शक्ति का इस्तेमाल नहीं किया है।

मेट्रो में तीन पत्ती, लो भाई अब दिल्ली मेट्रो में यही होना बाकी था

नई दिल्ली,(ईएमएस)। दिल्ली मेट्रो जिसमें होने वाली घटनाओं के आए दिन वीडियो वायरल होते रहते हैं। कभी कोई सीट तो कभी चोरी को लेकर अक्सर विवाद सामने आते हैं लेकिन इस बार दिल्ली मेट्रो में कुछ अलग नजारा देखने को मिला जिसका वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो में देखा जा सकता है कि एक शख्स कैमरे को नीचे दिखाने का इशारा करता है। जब कैमरा नीचे होता है तो वहां कई लोग जमीन पर बैठकर ताश के पत्ते खेलते नजर आते हैं। पत्ते खेलने के लिए जगह बनाने के लिए एक आदमी ने अपना गमछा बिछा देता है। दिल्ली मेट्रो के यात्री बहुत आराम से उन लोगों को पत्ते खेलते देख रहे हैं।

यह वीडियो इंस्टाग्राम अकाउंट पर साझा किया गया है, जिसके कैप्शन में लिखा है-दिल्ली मेट्रो में तीन पत्ती। इस वीडियो पर लोग खूब कमेंट कर रहे हैं। कोई कह रहा है-ताश की बाजी इस तरह लगी है जैसे टिकट दिल्ली के अगले मेट्रो स्टेशन के लिए नहीं, बल्कि यूपी-बिहार के लिया हो। तो कोई कह रहा है-हां भाई, दिल्ली मेट्रो में अब यही होना बाकी रह गया था, अब यह भी कर लो।

हाल ही में एक और वीडियो सामने आया है जिसेमें देखा जा सकता है कि दो लोग दिल्ली मेट्रो में कुश्ती के दांव-पेच आजमा रहे हैं। दिल्ली मेट्रो में सीट के लिए होने वाले लड़ाई-झगड़े के वीडियो तो अक्सर वायरल होते ही रहते हैं। इस नए वीडियो ने दिल्ली मेट्रो में हो रही अनोखी घटनाओं की फेहरिस्त में एक और घटना को जोड़ दिया है।

अफ्रीका की सबसे ऊंची चोटी पर पर्वतारोहियों ने लहराया तिरंगा

- तिरंगा फहराने के बाद चोटी से संदेश भेजा- जयहिंद

नई दिल्ली (ईएमएस)। हिमालय पर्वतारोहण संस्थान (दार्जिलिंग) के बैनर तले भारतीय पर्वतारोहियों ने स्वतंत्रता के 78 वर्ष पूरे होने पर अफ्रीकी महाद्वीप के किलिमंजारो पर्वत पर में 7,800 वर्गफुट भारतीय तिरंगा फहराकर एक नई ?मिशाल कायम की। माउंट किलिमंजारो पूर्वी अफ्रीका में तंजानिया के उत्तर-पूर्व में भूमध्य रेखा पर केन्याई सीमा के दक्षिण में किलिमंजारो राष्ट्रीय उद्यान में स्थित है। इसे अफ्रीका की छत के नाम से भी जाना जाता है। रक्षा मंत्रालय के दिव्यांगजन अभियान दल ने दिव्यांग उदय कुमार के साथ 19,341 फुट ऊंचे माउंट किलिमंजारो शिखर पर पहुंचकर 7800 वर्गफुट का तिरंगा फहराने के बाद चोटी से संदेश भेजा -जयहिंद। दिव्यांगजन अभियान में ग्रुप कैप्टन जय किशन के नेतृत्व में कंचनजंगा राष्ट्रीय उद्यान से अफ्रीकी महाद्वीप की सबसे ऊंची चोटी किलिमंजारो तक के अभियानकर्ताओं ने चार अगस्त को दिव्यांग उदय कुमार सहित कैप्टन श्रुति, महेंद्र कुमार यादव, पावेल शर्मा, और मिस सुलक्षणा तमांग के साथ बेस कैंप के लिए चढ़ाई शुरू की थी। अभियान दल ने सात अगस्त को 15,500 फुट की ऊंचाई पर स्थित किबो हट पहुंचने पर 7,800 वर्ग फुट का विशाल भारतीय राष्ट्रीय ध्वज प्रदर्शित किया। एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि यह महत्वपूर्ण कार्य रस्सियों, जालों और लंगरों का उपयोग करके पूरा किया गया, जो गर्व और देशभक्ति का एक महत्वपूर्ण क्षण है। मौसम की नजाकत और सभी सदस्यों की चिकित्सा फिटनेस को ध्यान में रखते हुए 08 अगस्त के शुरुआती घंटों में सुबह 0300 बजे टीम ने उहुरू शिखर पर अपनी अंतिम चढ़ाई शुरू की। दुर्गम इलाके में 10 घंटे की कठिन चढ़ाई के बाद अभियान दल ने अपना लक्ष्य हासिल किया। अभियान दल 1300 बजे 19,341 फुट ऊंचे उहुरू शिखर के शिखर पर पहुंचे और एक बार फिर किलिमंजारो के ऊपर 7,800 वर्ग फुट का तिरंगा फहराया। ग्रुप कैप्टन जय किशन ने इस अभियान को एक ऐतिहासिक उपलब्धि बताया, विशेष रूप से दिव्यांग पर्वतारोही उदय कुमार के साहस और दृढ़ संकल्प की दाद दी। उदय ने बैसाखी का उपयोग करके सफलतापूर्वक पर्वतारोहण का प्रयास पूरा किया जो पर्वतारोहण के इतिहास में यह पहला क्षण था। रक्षा मंत्रालय के तहत एचएमआई, दुनिया में एक प्रमुख पर्वतारोहण संस्थान की स्थापना 04 नवंबर, 1954 को भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू ने 1953 में स्वर्गीय तेनजिंग नोर्गे शेरपा और सर एडमंड हिलेरी द्वारा माउंट एवरेस्ट को फतह करने की स्मृति में की गई थी।

जन हितैषी

सेबी प्रमुख माधवी पुरी बुच की विदेशी फंड में हिस्सेदारी?

सिक्योरिटी एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ़ इंडिया (सेबी) की चेयरपर्सन माधवी पुरी बुच पर हिंडनबर्ग ने तथ्यों के साथ दस्तावेज सहित माधवी बुच और उनके पति धवल बुच के खिलाफ बड़े गंभीर आरोप लगाए हैं। मॉरीशस की ऑफशोर कंपनी ग्लोबल डायनेमिक अपॉर्चुनिटी फंड में हिस्सेदारी के दस्तावेज, हिंडनबर्ग ने उजागर किए हैं। गौतम अडानी के भाई विनोद अडानी ऑफशोर कंपनियों के माध्यम से अडानी समूह की कंपनियों में शेयरों के दाम बढ़ाने तथा निवेश करने के आरोप लगाए हैं। हिंडनबर्ग का आरोप है कि अडानी समूह पर सेबी द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की गई। सेबी ने उस समय भी कोई प्रतिक्रिया दी थी। जब इस मामले में तूल पकड़ा, तो सुप्रीम कोर्ट ने आरोपों की जांच का जिम्मा सेबी को सौंप दिया। सेबी अध्यक्ष के पद पर माधवी पुरी स्वयं आसीन थी। इस गड़बड़ झाले में उनके और उनके पति की सहभागिता थी। जिसके कारण उन्होंने जांच करना तो दूर, स्वयं अपने आप को बचाने के लिए जांच ही नहीं होने दी। 27 जून 2024 को सेबी ने हिंडन वर्ग को एक नोटिस जारी किया था। उसके बाद हिंडनबर्ग ने माधवी पुरी और धवल बुच की सच्चाई वाली 10 अगस्त 2024 को नई रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट में दस्तावेजों के साथ हिंडनबर्ग ने खुलासा किया है। हिंडनबर्ग के दस्तावेजों के अनुसार 22 मार्च 2017 को उनके पति धवल बुच ने मॉरीशस फंड प्रशासक ट्राईडेंट ट्रस्ट को ईमेल किया था। उसमें लिखा गया था, कि उनका और उनकी पत्नी माधवी पुरी का ग्लोबल डायनेमिक अपॉर्चुनिटी फंड में निवेश है। धवल ने आग्रह किया था, कि इस फंड का अकेले ऑपरेट करने का अधिकार उनको है। माधवी पुरी ने भी अपने ईमेल से अपने शेयर अपने पति को ट्रांसफर करने की सूचना कंपनी को दी थी। उसके बाद अप्रेल 2017 से डायरेक्टर के रूप में माधवी बुच सेबी में काम कर रही हैं। पूर्व सेबी प्रमुख अजय त्यागी के सेवानिवृत्ति के बाद 28 फरवरी 2022 से पूर्णकालिक सेबी अध्यक्ष के रूप में उनकी नियुक्ति 3 साल के लिए की गई है। 2017 के बाद से आफसोर कंपनियों द्वारा शेयर बाजार में बड़ी मात्रा में निवेश किया जा रहा है। शेयर बाजार में ऑफशोर कंपनियों के माध्यम से अडानी समूह के शेयरों में निवेश किया गया। कृत्रिम तेजी का जो खेल शेयर बाजार में खेला जा रहा था। उसे हिडनबर्ग की रिपोर्ट में उजागर किया है। हिडनबर्ग की उस रिपोर्ट के बाद अडानी समूह को 7.20 लाख करोड़ का नुकसान उठाना पड़ा था। दुनिया के सबसे बड़े तीसरे नंबर के आदमी की सूची में वह पहुंच गए थे। लेकिन जैसे ही हिडनंबर्ग की रिपोर्ट आई। अडानी समूह को लाखों करोड़ का नुकसान हुआ। इसके बाद यह मामला सुप्रीम कोर्ट गया। सुप्रीम कोर्ट ने जांच का जिम्मा सेबी को सौंप दिया था। माधवीपुरी और उनके पति खुद इस मामले में संलिप्त थे। अतः उन्होंने हिंडन बर्ग की रिपोर्ट में जिन कंपनियों के नाम दिए गए थे, उन कंपनियों की जांच ही नहीं होने दी। अब हिडेनबर्ग ने जो रिपोर्ट जारी की है, उसमें उसने सेबी प्रमुख का कच्चा चिट्ठा उजागर कर दिया है। शेयर बाजार के सारे घपले घोटाले एक-एक करके सामने आने लगे हैं। अडानी समूह के साथ जुड़े रहने के कारण ही माधवी पुरी को सेबी का पूर्णकालिक डायरेक्टर बनाया गया। इस तरह के आरोप पहले भी लगते रहे हैं। केंद्र सरकार द्वारा जो नोटबंदी की गई थी। उसमें कालेधन को खत्म करने की बात कही गई थी। नोटबंदी के बाद रिजर्व बैंक द्वारा जारी नोट के 99 फीसदी से ज्यादा नोट बैंक में वापिस जमा हो गये। देश का पूरा काला धन बैंकों में वापस आकर सफेद हो गया। यही कालाधन बाद में शेयर बाजार में लगा। जिनके पास काला धन था, उन्हें नोटबंदी के बाद शेयर बाजार के माध्यम से भारी कमाई होने लगी। नोटबंदी के बाद शेयर बाजार ने बेलगाम घोड़े की तरह तेज रफ्तार पकड़ ली। विदेशों में जमा काला धन ऑफशोर कंपनियों के माध्यम से भारतीय शेयर बाजार में निवेश होने लगा। शेयर बाजार में मुनाफा वसूली के जरिए कालाधन कमाई का एक नया जरिया बन गया। सेबी प्रमुख की सरपरस्ती में विदेश से काला धन बड़ी मात्रा में आकर शेयर बाजार में लगता रहा। कृत्रिम तेजी और मंदी के खेल में अडानी समूह दुनिया के तीसरे नंबर के रईसों में शामिल हो गया था। शेयर बाजार के नियमों का उल्लंघन करके भारी कमाई अडानी समूह ने की है। इसका लाभ भी सेबी प्रमुख के पति धवल बुच को भी मिला है। हिडनबर्ग ने जो नई रिपोर्ट प्रस्तुत की है, उसमें इसका उल्लेख है। शायद यह मामला दबा रह जाता। सेबी प्रमुख माधवी बुच ने हिडनबर्ग को नोटिस जारी कर आग में घी डाल दिया। घायल शेर को नोटिस जारी करके एक बार फिर से जगा दिया। इस बार हिंडन बर्ग ने जो हमला किया है, वह रामबाण की तरह है, जो निशाने पर जाकर लगेगा। इसकी प्रतिक्रिया भारत सहित दुनिया के सभी देशों के शेयर बाजार में होना तय है। विनोद अडानी भारतीय नागरिक नहीं हैं। उन्होंने टैक्स हेवन देश की नागरिकता ले रखी है। टैक्स हेवन देश मॉरीशस, बरमूड़ा, सिंगापुर के रास्ते कालाधन भारत के शेयर बाजार में निवेश किया गया। इसमें अधिकांश निवेश अडानी समूह की कंपनियों में किया गया है। इस समूह के साथ माधवी पुरी और उनके पति धबल बुच की सीधी भागीदारी है। हिंडन वर्ग द्वारा जो नई रिपोर्ट पेश की है। उसमें जो दस्तावेज लगाए गए हैं। उससे यह प्रमाणित है। इस रिपोर्ट के सामने आते ही कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पर तुरंत प्रतिक्रिया देते हुए कहा- अब पता चला है, संसद का सत्र 9 अगस्त को अचानक क्यों स्थगित कर दिया गया। उन्होंने लिखा है, प्रहरी की सुरक्षा अब कौन करेगा। शिवसेना की सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने भी कहा है, हिडनबर्ग की रिपोर्ट से अब स्पष्ट हो गया है। सेबी ने अडानी की कंपनियों की जांच का विवरण सुप्रीम कोर्ट में क्यों नहीं दिया। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट की अनदेखी पर भी सवाल उठने शुरू हो गए हैं। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर जाँच कमेटी बनाई गई थी। उसने भी जांच के नाम पर लीपा पोती की है। सुप्रीम कोर्ट ने इसे अनदेखा किया है। पहिले जब हिंडनबर्ग की रिपोर्ट आई थी। उसके बाद अडानी समूह द्वारा मीडिया को नोटिस जारी कर मानहानि की धमकी दी थी। सरकार ने इसे राष्ट्रीय हितों से जोड़कर अडानी समूह को बचाने का काम किया था। ईड़ी और सीबीआई ने जो आरोप हिंडनबर्ग ने लगाए थे, उसकी जांच शुरू नहीं की। दोनों एजेंसियों को इसकी जांच स्वयं करनी चाहिए थी। कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने सेबी की अध्यक्ष माधवी पुरी और उनके पति धवल बुच, के बरमूडा ओर मारिशस स्थित ऑफशोर फंड में किए गए निवेश, विनोद अडानी और उनके सहयोगी चाँग चुंग-लिंग और नासिर अली शाहबान के खिलाफ जांच की मांग की है। अदानी समूह द्वारा ओवर इनवाइसिंग और सेबी के नियमों का उल्लंघन करते हुए फंड्स में जो निवेश किया गया है। उसकी जांच करने की मांग सरकार से की है। जयराम रमेश ने इस महाघोटाले की व्यापक जांच के लिए सरकार से तुरंत जेपीसी गठित करने की मांग की है। एक के बाद एक जिस तरह से संवैधानिक संस्थाओं के ऊपर भ्रष्टाचार, पक्षपात और मिलीभगत के आरोप लग रहे हैं। उससे लोगों का विश्वास जांच एजेंसियों और संवैधानिक संस्थाओं से घट रहा है। लाखों करोड़ों रुपए के घोटाले हो रहे हैं। ईड़ी और सीबीआई जैसी संस्थाएं चुप हैं। शेयर बाजार की नियामक संस्था सेबी स्वयं गलत कामों में लिप्त है। न्यायपालिका भी सरकार के विरोध में निर्णय करने से डरने लगी है। जिससे न्यायपालिका की विश्वसनीयता दिनों-दिन कम होती जा रही है। अब लोगों में संवैधानिक संस्थाओं और जांच एजेंसियों के ऊपर विश्वास खत्म होता जा रहा है। संवैधानिक संस्थाओं और जांच एजेंसियों में योग्य, निष्पक्ष और जिम्मेदार व्यक्तियों की नियुक्ति ही नहीं हो रही है। इस कारण सरकार की साख भी गिर रही है। यह स्थिति लोकतंत्र और कानून व्यवस्था के लिए चिंता का विषय बन गई है।

जाति जनगणनाः सामाजिक न्याय की ओर कदम

हालिया लोकसभा आमचुनाव (मई 2024) में इंडियन गठबंधन ने जाति जनगणना के मुद्दे को अपने चुनाव अभियान में महत्वपूर्ण स्थान दिया। अन्य कारकों के अलावा, इस मुद्दे ने भी इंडिया गठबंधन के चुनाव में बेहतर प्रदर्शन में अपना योगदान दिया। हालाँकि इस गठबंधन को सरकार बनाने लायक सीटें नहीं मिल सकीं। भाजपा के गठबंधन साथी नीतीश कुमार बिहार में पहले ही जाति जनगणना करवा चुके हैं, हालाँकि इस मुद्दे को अभी उन्होंने ठंडे बस्ते में रख छोड़ा है। राहुल गाँधी ने वित्त मंत्री द्वारा प्रस्तुत केन्द्रीय बजट पर चर्चा के दौरान लोकसभा में अपने भाषण में इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने काफी ज़ोरदार और प्रभावी ढंग से जाति जनगणना की मांग उठाई। उन्होंने हलवा (सरकार से मिलने वाले लाभ) का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि बजट तैयार करने वाले मुख्यतः ऊंची जातियों के हैं और बजट के लाभार्थी केवल चंद उच्च वर्ग हैं।

राहुल गाँधी के इस प्रभावी भाषण का जवाब देते हुए अनुराग ठाकुर (गोली मारो.... वाले) ने राहुल गाँधी का मखौल उड़ाते हुए कहा कि जिसे उसकी खुद की जाति नहीं मालूम, वह जाति जनगणना की मांग कर रहा है। इस मामले में राहुल गाँधी अनूठे व्यक्ति हैं - हिन्दू पिता, ईसाई मां, हिन्दू दादी और पारसी दादा। एक तरह से वे उस स्वतंत्र और खुले समाज के प्रतीक हैं, जो दकियानूसी तत्वों के अंतरजातीय और अंतर्धार्मिक शादियों के विरोध के बावजूद देश में उभरता जा रहा है। ठाकुर की टिप्पणियों को लोकसभा की कार्यवाही से हटा दिया गया मगर प्रधानमंत्री ने उनके भाषण को ट्वीट कर उसका अनुमोदन किया।

जाति जनगणना आवश्यक है। कारण यह कि आरक्षण के प्रतिशत का निर्धारण दशकों पहले किया गया था और तब से लेकर अब तक विभिन्न जातियों की कुल आबादी में हिस्सेदारी में काफी परिवर्तन आ चुका है। अनुराग ठाकुर और नरेन्द्र मोदी जिस विचारधारा के हैं, वह विचारधारा सकारात्मक भेदभाव की नीति अपनाकर हाशियाकृत समुदायों को अन्य समुदायों के समकक्ष लाने के प्रयासों के खिलाफ है। यद्यपि आर्थिक दृष्टि से सक्षम हो जाने मात्र से दलितों की सामाजिक समस्याएं समाप्त नहीं हो जाएंगी मगर इसमें कोई संदेह नहीं कि बेहतर आर्थिक स्थिति से सामाजिक स्थिति में भी बेहतरी आती है।

भारतीय समाज जाति व्यवस्था के चंगुल में बुरी तरह फंसा हुआ है। इसके चलते जाति प्रथा के पीड़ितों को सामाजिक न्याय, सम्मान और गरिमा मिले, यह सुनिश्चित करवाना आसान नहीं है। दलितों को सम्मान और समानता दिलवाने का संघर्ष बहुत लम्बा और कठिन रहा है। इस दिशा में पहला प्रयास जोतिराव फुले ने किया था। उन्हें अहसास था कि जाति प्रथा, हिन्दू समाज की सबसे बड़ी कमजोरी है। चूँकि दलितों को पढने-लिखने नहीं दिया जाता था इसलिए फुले ने दलितों के लिए स्कूल खोले। जातिगत पदक्रम को बनाये रखने में लैंगिक असमानता की भी अहम भूमिका है। अतः सावित्रीबाई फुले ने लड़कियों के लिए स्कूल खोले। जातिगत व लैंगिक समानता की स्थापना के ये प्रयास करीब एक सदी पहले किये गए थे।

अम्बेडकर ने इन वर्गों को और जागरूक किया। दलितों को समझ में आया कि जमींदार और पुरोहित की जोड़ी – जिसे महाराष्ट्र में शेठजी-भट्टजी कहा जाता है - उनकी सबसे बड़ी पीड़क है। इसी के चलते ब्राह्मण विरोधी आन्दोलन शुरू हुआ। ब्राह्मणों के प्रभुत्व को चुनौती देने वाले इस आन्दोलन की राह आसान नहीं रही। उच्च जातियों के लोग हिन्दू-मुस्लिम एकता स्थापित करने के गांधीजी के प्रयासों से पहले ही परेशान थे। दलितों की समान अधिकारों की मांग ने उच्च जातियों को और विचलित कर दिया। उच्च जातियों के श्रेष्ठी वर्ग ने आरएसएस की स्थापना की, जिसका लक्ष्य था हिन्दू राष्ट्र की स्थापना। हिन्दू राष्ट्र की परिकल्पना मनुस्मृति पर आधारित है। आरएसएस ने भारत के संविधान का इस आधार पर विरोध किया था कि उसमें भारत के स्वर्णिम अतीत के मूल्यों को जगह नहीं दी गई है।

अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षण का असर धीर-धीरे समाज पर पड़ने लगा। इसके साथ ही अफवाहें फैलाने का क्रम भी शुरू हो गया। आरक्षण से लाभान्वित होने वालों को सरकारी दामाद कहा जाने लगा और यह तर्क दिया गया कि वे जिन पदों पर काबिज़ हैं, वे उनके योग्य नहीं हैं। यह भी कहा गया कि आरक्षण की व्यवस्था योग्य युवाओं की राह में रोड़ा है। ऊंची जातियों के लोगों का गुस्सा सबसे पहले गुजरात के अहमदाबाद में सामने आया। माधवसिंह सोलंकी के केएचएएम या खाम (क्षत्रिय, हरिजन, आदिवासी और मुस्लिम) गठबंधन की सफलता पर तीव्र प्रतिक्रिया हुई और सन 1981 में गुजरात में दलित-विरोधी हिंसा भड़क गयी। अध्येता अच्युत याग्निक लिखते हैं: शिक्षित मध्यम वर्ग, जिसमें ब्राह्मण, बनिया और पाटीदार शामिल हैं, ने 1981 में आरक्षण की व्यवस्था के खिलाफ आन्दोलन शुरू कर दिया।

सन 1985 में पदोन्नति में आरक्षण के खिलाफ एक बार फिर गुजरात में दलित-विरोधी हिंसा हुई। इसी समय, विश्व हिन्दू परिषद् ने राममंदिर आन्दोलन के बढ़ावा देना शुरू किया और लालकृष्ण अडवाणी ने सोमनाथ से अयोध्या तक रथयात्रा शुरू की।

वी.पी. सिंह, जिनकी सरकार एक ओर भाजपा तो दूसरी ओर वामपंथी दलों के समर्थन से चल रही थी, ने अपनी गद्दी बचाने की खातिर मंडल आयोग की रपट को लागू कर दिया और अन्य पिछड़ा वर्गों (ओबीसी), जो आबादी का 55 प्रतिशत हैं, को 27 प्रतिशत आरक्षण दे दिया। ऊंची जातियां, मंडल आयोग के खिलाफ थीं। मगर चुनावी कारणों से भाजपा मंडल का सीधे विरोध नहीं कर सकती थी। उसने रथयात्रा को सफल बनाने में पूरा जोर लगा दिया। इस यात्रा को मंडल-विरोधी उच्च जातियों का जबरदस्त समर्थन प्राप्त हुआ। मंडल का विरोध करने के लिए यूथ फॉर इक्वालिटी जैसी संस्थाएं उभर आईं।

मंडल राजनीति से शरद यादव, लालू यादव और रामविलास पासवान जैसे नेता उभरे। भाजपा के शीर्ष नेता अटलबिहारी वाजपेयी ने कहा, वे मंडल लाए तो हम बदले में कमंडल लाए। भाजपा सामाजिक न्याय की विरोधी रही है और अपने इस विरोध को उसने मुस्लिम-विरोध का जामा पहनाया। एक सुनियोजित षड़यंत्र के तहत बाबरी मस्जिद को गिरा दिया गिया। भाजपा का उद्देश्य है जातिगत उंच-नीच को बनाये रखते हुए हिन्दुओं को एक करना। मंडल पार्टियाँ कई मामलों में सफल रहीं मगर उनमें से कुछ ने अपने संकीर्ण हितों की खातिर मनु की राजनीति से समझौता कर लिया।

इंडिया गठबंधन में शामिल कुछ दल मंडल के विरोधी रहे हैं। मगर अपनी दो भारत जोड़ो यात्राओं के दौरान आम लोगों की स्थिति देखने के बाद राहुल गाँधी, जाति जनगणना के प्रबल समर्थक बन गए हैं। विभिन्न जातियों की आबादी, आरक्षण के प्रतिशत का निर्धारण करने का सबसे बेहतर आधार है। इस सन्दर्भ में सुप्रीम कोर्ट का आरक्षण कोटे के उप-विभाजन के सम्बन्ध में निर्णय स्वागतयोग्य है। जो जातियां आरक्षण का लाभ नहीं उठा पाईं हैं, उन्हें इसका लाभ दिलवाना सामाजिक न्याय की स्थापना के लिए आवश्यक है।

जहाँ इंडिया गठबंधन जाति जनगणना की मांग का खुल कर समर्थन कर रहा है वहीं एनडीए की मुख्य घटक दल भाजपा इस मांग की पूर्ति की राह में हर संभव रोड़ा अटकाएगी। इस मांग के समर्थन में प्रदर्शन, सभाएं आदि कर इस मांग की पूर्ति सुनिश्चित की जा सकती है। (लेखक-राम पुनियानी/ ईएमएस) (अंग्रेजी से रूपांतरण अमरीश हरदेनिया। लेखक आईआईटी मुंबई में पढ़ाते थे और सन 2007 के नेशनल कम्यूनल हार्मोनी एवार्ड से सम्मानित हैं)

युवा क्रांति के साथ शांति के नये छंद रचें

(अन्तर्राष्ट्रीय युवा दिवस, 12 अगस्त 2024 पर विशेष)

युवा क्रांति का प्रतीक है, ऊर्जा का स्त्रोत है, इस क्रांति एवं ऊर्जा का उपयोग रचनात्मक एवं सृजनात्मक हो, इसी ध्येय से सारी दुनिया प्रतिवर्ष 12 अगस्त को अन्तर्राष्ट्रीय युवा दिवस मनाती है। सन् 2000 में अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस का आयोजन आरम्भ किया गया था। यह दिवस मनाने का मतलब है कि युवाशक्ति का उपयोग विध्वंस में न होकर निर्माण में हो। युवा, शांति और सुरक्षा पर सुरक्षा परिषद का प्रस्ताव 2250 (9 दिसंबर 2015) शांति को बढ़ावा देने और उग्रवाद का मुकाबला करने में युवा शांति निर्माताओं को शामिल करने की तत्काल आवश्यकता की अभूतपूर्व स्वीकृति का प्रतिनिधित्व करता है, और स्पष्ट रूप से युवाओं को वैश्विक प्रयासों में महत्वपूर्ण भागीदार के रूप में स्थान देता है। पूरी दुनिया की सरकारें युवा के मुद्दों और उनकी बातों पर ध्यान आकर्षित करे। न केवल सरकारें बल्कि आम-जनजीवन में भी युवकों की स्थिति, उनके सपने, उनका जीवन लक्ष्य आदि पर चर्चाएं हो। युवाओं की सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक स्तर पर भागीदारी सुनिश्चित की जाए। इन्हीं मूलभूत बातों को लेकर यह दिवस मनाया जाता है।

स्वामी विवेकानन्द ने भारत के नवनिर्माण के लिये मात्र सौ युवकों की अपेक्षा की थी। क्योंकि वे जानते थे कि युवा 'विजनरी' होते हैं और उनका विजन दूरगामी एवं बुनियादी होता है। उनमें नव निर्माण करने की क्षमता होती है। नया भारत निर्मित करते हुए नरेन्द्र मोदी को भी युवाशक्ति को आगे लाना होगा। युवा किसी भी देश का वर्तमान और भविष्य हैं। वो देश की नींव हैं, जिस पर देश की प्रगति और विकास निर्भर करता है। लेकिन आज भी बहुत से ऐसे विकसित और विकासशील राष्ट्र हैं, जहाँ नौजवान ऊर्जा व्यर्थ हो रही है। कई देशों में शिक्षा के लिए जरूरी आधारभूत संरचना की कमी है तो कहीं प्रछन्न बेरोजगारी जैसे हालात हैं। युवा अनेक विसंगतियों एवं बुराइयों से घिरे हैं। विशेषतः युवा अपनी वृद्ध पीढ़ी की उपेक्षा के कारण भी निशाने पर है। विश्व की गम्भीर समस्याओं में प्रमुख है नशीले पदार्थों का उत्पादन, तस्करी और सेवन की निरंतर हो रही वृद्धि। युवापीढ़ी इस जाल में बुरी तरह कैद हो चुकी है। आज हर तीसरा युवक किसी न किसी नशे का आदी हो चुका है। अगर यही प्रवृत्ति रही तो सरकार, सेना और समाज के ऊंचे पदों के लिए शरीर और दिमाग से स्वस्थ युवा नहीं मिलेंगे। एक नशेड़ी पीढ़ी का देश कैसे अपना पूर्व गौरव प्राप्त कर सकेगा? इन स्थितियों के बावजूद युवाओं को एक उन्नत एवं आदर्श जीवन की ओर अग्रसर करना वर्तमान की सबसे बड़ी जरूरत है। युवा सपनों को आकार देने का अर्थ है सम्पूर्ण मानव जाति के उन्नत भविष्य का निर्माण। यह सच है कि हर दिन के साथ जीवन का एक नया लिफाफा खुलता है, नए अस्तित्व के साथ, नए अर्थ की शुरूआत के साथ, नयी जीवन दिशाओं के साथ। हर नई आंख देखती है इस संसार को अपनी ताजगी भरी नजरों से। इनमें जो सपने उगते हैं इन्हीं में नये समाज की, नयी आदमी की नींव रखी जाती है।

यौवन को प्राप्त करना जीवन का सौभाग्य है। जीने की तीन अवस्थाएं बचपन, यौवन एवं बुढ़ापा हैं, सभी युवावस्था के दौर से गुजरते हैं, लेकिन जिनमें युवकत्व नहीं होता, उनका यौवन व्यर्थ है। उनके निस्तेज चेहरे, चेतना-शून्य उच्छ्वास एवं निराश सोच मात्र ही उस यौवन की साक्षी बनते हैं, जिसके कारण न तो वे अपने लिये कुछ कर पाते हैं और न समाज एवं राष्ट्र को ही कुछ दे पाते हैं। वे इतना सतही जीवन जीते हैं कि व्यक्तिगत स्पर्द्धाओं एवं महत्वाकांक्षाओं में उलझकर अपने ध्येय को विस्मृत कर देते हैं। उनका यौवन कार्यकारी तो होता ही नहीं, खतरनाक प्रमाणित हो जाता है। युवाशक्ति जितनी विराट् और उपयोगी है, उतनी ही खतरनाक भी है। इस परिप्रेक्ष्य में युवाशक्ति का रचनात्मक एवं सृजनात्मक उपयोग करने की जरूरत है।

गांधीजी से एक बार पूछा गया कि उनके मन की आश्वस्ति और निराशा का आधार क्या है? गांधीजी बोले- 'इस देश की मिट्टी में अध्यात्म के कण हैं, यह मेरे लिये सबसे बड़ा आश्वासन है। पर इस देश की युवापीढ़ी के मन में करुणा का स्त्रोत सूख रहा है, यह सबसे बड़ी चिन्ता का विषय है।' गांधीजी की यह चिन्ता सार्थक थी। मूल प्रश्न है कि क्या हमारे आज के नौजवान भारत को एक सक्षम देश बनाने का स्वप्न देखते हैं? या कि हमारी वर्तमान युवा पीढ़ी केवल उपभोक्तावादी संस्कृति से जन्मी आत्मकेन्द्रित पीढ़ी है? दोनों में से सच क्या है? दरअसल हमारी युवा पीढ़ी महज स्वप्नजीवी पीढ़ी नहीं है, वह रोज यथार्थ से जूझती है, उसके सामने भ्रष्टाचार, आरक्षण का बिगड़ता स्वरूप, महंगी होती जाती शिक्षा, कैरियर की चुनौती और उनकी नैसर्गिक प्रतिभा को कुचलने की राजनीति विसंगतियां जैसी तमाम विषमताओं और अवरोधों की ढेरों समस्याएं भी हैं। उनके पास कोरे स्वप्न ही नहीं, बल्कि आंखों में किरकिराता सच भी है। इन जटिल स्थितियों से लौहा लेने की ताकत युवक में ही हैं। क्योंकि युवक शब्द क्रांति का प्रतीक है।

विचारों के नभ पर कल्पना के इन्द्रधनुष टांगने मात्र से कुछ होने वाला नहीं है, बेहतर जिंदगी जीने के लिए मनुष्य को संघर्ष आमंत्रित करना होगा। वह संघर्ष होगा विश्व के सार्वभौम मूल्यों और मानदंडों को बदलने के लिए। सत्ता, संपदा, धर्म और जाति के आधार पर मनुष्य का जो मूल्यांकन हो रहा है मानव जाति के हित में नहीं है। दूसरा भी तो कोई पैमाना होगा, मनुष्य के अंकन का, पर उसे काम में नहीं लिया जा रहा है। क्योंकि उसमें अहं को पोषण देने की सुविधा नहीं है। क्योंकि वह रास्ता जोखिम भरा है। क्योंकि उस रास्तें में व्यक्तिगत स्वार्थ और व्यामोह की सुरक्षा नहीं है। युवापीढ़ी पर यह दायित्व है कि संघर्ष को आमंत्रित करे, मूल्यांकन का पैमाना बदले, अहं को तोड़े, जोखिम का स्वागत करे, स्वार्थ और व्यामोह से ऊपर उठे। युवा दिवस मनाने का मतलब है-एक दिन युवकों के नाम। इस दिन पूरे विश्व में युवापीढ़ी के संदर्भ में चर्चा होगी, उसके ह्रास और विकास पर चिंतन होगा, उसकी समस्याओं पर विचार होगा और ऐसे रास्ते खोजे जायेंगे, जो इस पीढ़ी को एक सुंदर भविष्य दे सकें। इसका सबसे पहला लाभ तो यही है कि संसार भर में एक वातावरण बन रहा है युवापीढ़ी को अधिक सक्षम और तेजस्वी बनाने के लिए।

युवकों से संबंधित संस्थाओं को सचेत और सावधान करना होगा और कोई ऐसा सकारात्मक कार्यक्रम हाथ में लेना होगा, जिसमें निर्माण की प्रक्रिया अपनी गति से चलती रहे। विशेषतः राजनीति में युवकों की सकारात्मक एवं सक्रिय भागीदारी को सुनिश्चित करना होगा। अर्नाल्ड टायनबी ने अपनी पुस्तक 'सरवाइविंग द फ्यूचर' में नवजवानों को सलाह देते हुए लिखा है 'मरते दम तक जवानी के जोश को कायम रखना।' उनको यह इसलिये कहना पड़ा क्योंकि जो जोश उनमें भरा जाता है, यौवन के परिपक्व होते ही उन चीजों को भावुकता या जवानी का जोश कहकर भूलने लगते हैं। वे नीति विरोधी काम करने लगते है, गलत और विध्वंसकारी दिशाओं की ओर अग्रसर हो जाते हैं। इसलिये युवकों के लिये जरूरी है कि वे जोश के साथ होश कायम रखे। इसीलिये सुकरात को भी नवयुवकों पर पूरा भरोसा था। वे जानते थे कि नवयुवकों का दिमाग उपजाऊ जमीन की तरह होता है। उन्नत विचारों का जो बीज बो दें तो वही उग आता है। एथेंस के शासकों को सुकरात का इसलिए भय था कि वह नवयुवकों के दिमाग में अच्छे विचारों के बीज बोने की क्षमता रखता था। आज की युवापीढ़ी में उर्वर दिमागों की कमी नहीं है मगर उनके दिलो दिमाग में विचारों के बीज पल्लवित कराने वाले स्वामी विवेकानन्द और सुकरात जैसे लोग दिनोंदिन घटते जा रहे हैं।

कला, संगीत और साहित्य के क्षेत्र में भी ऐसे कितने लोग हैं, जो नई प्रतिभाओं को उभारने के लिए ईमानदारी से प्रयास करते हैं? हेनरी मिलर ने एक बार कहा था- ''मैं जमीन से उगने वाले हर तिनके को नमन करता हूं। इसी प्रकार मुझे हर नवयुवक में वट वृक्ष बनने की क्षमता नजर आती है।'' महादेवी वर्मा ने भी कहा है ''बलवान राष्ट्र वही होता है जिसकी तरुणाई सबल होती है।'' इसीलिये युवापीढ़ी पर यह दायित्व है कि वह युवा दिवस पर कोई ऐसी क्रांति घटित करे, जिससे युवकों की जीवनशैली में रचनात्मक परिवर्तन आ सके, हिंसा-आतंक-विध्वंस की राह को छोड़कर वे निर्माण की नयी पगडंडियों पर अग्रसर होसके। (लेखक- ललित गर्ग/ ईएमएस)

भारत के महान वैज्ञानिक विक्रम साराभाई जैन को नमन

(जन्मदिन 12 अगस्त पर विशेष)

भारत माता के महान सपूत जिन्होंने अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान के क्षेत्र में दुनिया में देश का नाम ऊंचा किया ऐसे विक्रम अंबालाल साराभाई जैन का 12 अगस्त 1912 को जन्म हुआ था। जन्म दिवस के अवसर पर हम उन्हें स्मरण कर रहे हैं। डॉ विक्रम साराभाई के नाम को अंतरिक्ष कार्यक्रम से अलग नहीं किया जा सकता यह बात दुनिया को पता है की वह विक्रम साराभाई ही थे, जिन्होंने अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में भारत को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान दिलाया।आपका जन्म अहमदाबाद में श्री अंबालाल साराभाई के प्रतिष्ठित जैन परिवार में हुआ था।आपकी माता जी श्रीमती सरला साराभाई थी। आपकी माता सरला साराभाई ने प्रारंभिक शिक्षा मैडम मारिया मांटेसरी की तरह शुरू हुए पारिवारिक स्कूल में दिलाई।गुजरात कॉलेज में इंटरमीडिएट तक विज्ञान की शिक्षा पूरी करने के बाद वे सन 1937 में कैंब्रिज इंग्लैंड चले गए, जहां 1940 में प्रणमाकृतिक विज्ञान में ट्रायपोज डिग्री प्राप्त की। द्वितीय विश्व युद्ध शुरू होने पर वे भारत लौट आए और बेंगलूरू स्थित भारतीय विज्ञान संस्थान में नौकरी करने लगे।जहां पर वह सी. वी. रमन के निरीक्षण में कॉस्मिक रेंज पर अनुसंधान करने लगे। द्वितीय विश्वयुद्ध की समाप्ति पर वे कॉस्मिक रेज भौतिक विज्ञान के क्षेत्र में अपनी डॉक्ट्रेट पूरी करने के लिए कैंब्रिज लौट गए। सन् 1947 में उष्णकटिबंधीय अक्षांश ट्रॉपीकल लैटीटयूड्स मैं कैंब्रिज विश्वविद्यालय ने उन्हें डॉक्ट्रेट की उपाधि से सम्मानित किया गया।

डॉ विक्रम साराभाई को भारत के महान संस्थान निर्माता माना जाता है। उनके द्वारा स्थापित लोकप्रिय संस्थानों में प्रमुख हैं भौतिकी अनुसंधान प्रयोगशाला पीआरएल अहमदाबाद, भारतीय प्रबंध संस्थान आई आई एम अहमदाबाद, सामुदायिक विज्ञान केंद्र अहमदाबाद, दर्पण अकादमी फॉर परफॉर्मिंग आर्ट्स अहमदाबाद, विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र तिरुअनंतपुरम्,डॉ विक्रम साराभाई सांस्कृतिक गतिविधियों में भी गहरी रूचि रखते थे। वे संगीत, फोटोग्राफी, पुरातत्व, ललित कलाओं और अन्य अनेक क्षेत्रों से जुड़े रहे। डॉक्टर विक्रम साराभाई के व्यक्तित्व का सर्वाधिक उल्लेखनीय पहलू उनकी रुचि की सीमा और विस्तार तथा ऐसे तरीके थे, जिन्होंने अपने विचारों को संस्था में परिवर्तित किया।सृजनशील वैज्ञानिक, सफल और दूरदर्शी उद्योगपति, उच्च कोटि के प्रवर्तक, महान संस्थाओं के निर्माता, अलग किस्म के शिक्षाविद, कला पारखी, सामाजिक परिवर्तन के ठेकेदार, अग्रणी प्रबंध प्रशिक्षक आदि ऐसी अनेक विशेषताएं उनके व्यक्तित्व में समाहित थी। उनकी सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह थी कि वे एक ऐसे उच्च कोटि के इंसान थे जिसके मन में दूसरों के प्रति असाधारण सहानुभूति थी, जो भी उनके संपर्क में आता उनसे प्रभावित हुए बिना नहीं रहता था। धर्मपत्नी श्रीमती मृणालिनी साराभाई के साथ मिलकर उन्होंने मंच कलाओं की सांस्कृतिक संस्था दर्पण का गठन किया। उनकी बेटी मल्लिका साराभाई बड़ी होकर भरतनाटयम् और कुचिपुड़ी की प्रसिद्ध नृत्यांगना बनी। डॉक्टर होमी जे भाभा की जनवरी 1966 में मृत्यु के बाद डॉक्टर साराभाई को परमाणु ऊर्जा आयोग का अध्यक्ष बनाया गया। साराभाई ने सामाजिक और आर्थिक विकास की विभिन्न गतिविधियों के लिए अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी में छुपी हुई व्यापक क्षमताओं को पहचान लिया था। इन गतिविधियों में संचार, मौसम विज्ञान संबंधी भविष्यवाणी और प्राकृतिक संसाधनों के लिए अन्वेषण आदि सम्मिलित हैं।भारत के महान वैज्ञानिक बहुमुखी प्रतिभा के धनी डॉक्टर विक्रम साराभाई का 30 दिसंबर 1971 को कोवलम्, तिरुअनंतपुरम् केरल में आसामयिक स्वर्गवास हो गया। (लेखक- विजय कुमार जैन / ईएमएस)

शब्द पहेली - 8096

बाएँ से दाएँ

1. चोगा, गाऊन-3
3. पायजामा, शलवार-4
6. भाग्य, लक-3
7. सूर्य, भास्कर-2
8. बिता हुआ दिन-2
10. न्यूनता, निम्नता-5
12. मैडल, पदक-3
15. माला का मोती-3
17. कुलिन स्त्री-5
20. थूक, लेस-2
22. विलंब, लेट-2
23. जाँच, निरीक्षण-3
24. श्मशान, शवदाहगृह-4
25. साफ, बेदाग-3

ऊपर से नीचे

2. दानशीलता, उदारता-5
3. पाठ, शिक्षा-3
4. रात्रि जागरण-4
5. नेत्रावरण-3
7. लीन, मगन-2
9. बुरी आदत-2
11. कामदेव-3
13. मगरमच्छ-3
14. इंतजार करना-2,3
15. आलेप, लोशन-4
16. सफेद का विलोम-2
18. पानी से सराबोर-2
19. माजरा, हालात-3
21. रिपोर्ट-3

शब्द पहेली -8095 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

पेरिस ओलंपिक में भारत को नहीं मिला एक भी स्वर्ण,पदक तालिका में 71वें नंबर पर खिसका

पेरिस (ईएमएस)। हैवीवेट महिला मुक्केबाज रीतिका हुड्डा के बाहर होने के साथ ही पेरिस ओलंपिक में भारतीय दल का अभियान समाप्त हो गया है। रीतिका 76 किलो भार वर्ग में उतरी थीं जहां उन्हें क्वार्टर फाइनल में हार का सामना करना पड़ा। इसी के साथ ही भारत के पदक जीतने की संभावनाएं समाप्त हो गयी हैं। भारत को पेरिस ओलंपिक में एक रजत और पांच कांस्य सहित कुल छह पदक मिले हैं। ये पिछले बार के टोक्यो ओलंपिक से भी कम है। टोक्यो में भारत को एक स्वर्ण मिला था तब उसे भाला फेंक में नीरज चोपड़ा ने ये पदक दिलाया था पर इस बार उसे एक भी स्वर्ण नहीं मिला। नीरज भाला फेंक में रहत ही जीत पाये। रीतिका को हराने वालीं किर्गिस्तान की पहलवान फाइनल में पहुंच जाती तो भारतीय पहलवान को रेपचेज दौर में मौका मिलता और एक कांस्य का अवसर रहता पर वह भी हाथ से निकल गया। किर्गिस्तान की पहलवान सेमीफाइनल में हार गईं, जिसके साथ ही रीतिका पदक तालिका से बाहर हो गईं। भारतीय दल इस बार 71वें नंबर पर रहा जबकि पिछली बार वह 48वें नंबर पर रहा था। भारतीय खिलाड़ियों ने 3 कांस्य पदक निशानेबाजी में जीते हैं।

अफगानिस्तान के क्रिकेटर जनत पर आई सी सी ने प्रतिबंध लगाया,तीन खिलाड़ियों की जांच जारी

दुबई (ईएमएस)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अफगानिस्तान के युवा क्रिकेटर इंशानुल्लाह जनत पर मैच फिक्सिंग के मामले में पांच साल का प्रतिबंध लगा दिया है। जनत फिक्सिंग के आरोपों की जांच में दोषी पाये गये थे। 19 साल की उम्र में पहला अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले इंशानुल्लाह जनत उभरते हुए सलामी बल्लेबाज हैं। इस क्रिकेटर ने अब तक तीनों ही प्रारुपों में खेला है। आईसीसी के अनुसार जनत को काबुल प्रीमियर लीग के दूसरे सत्र में भ्रष्टाचार रोधी आचार संहित के उल्लंघन का दोषी पाया गया है। इस कारण इस क्रिकेटर पर प्रतिबंध लगाया गया है।

आईसीसी ने कहा है कि वह अफगानिस्तान के तीन और क्रिकेटरों पर लगे आरोपों की भी जांच कर रहा है। इस शीर्ष संस्था के अनुसार अब तक की जांच में पर्याप्त सबूत लग रहे हैं। साथ ही कहा कि जनत के अलावा अन्य क्रिकेटरों की भी जांच चल रही है औ इस मामले में शीघ्र ही फैसला सुनाया जाएगा। आईसीसी ने हालांकि इन क्रिकेटरों के नाम अभी सार्वजनिक नहीं किये हैं। अगर ये खिलाड़ी दोषी साबित होते हैं तो इससे अफगानिस्तान क्रिकेट की मुश्किलें बढ़ जाएंगी। जनत ने 24 फरवरी 2007 को न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 मैच से अपने इंटरनेशनल करियर की शुरुआत की थी। उसने 16 एकदिवसीय, 3 टेस्ट और 1 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेला है।

पेरिस ओलंपिक में इस बार छह भारतीय खिलाड़ी चौथे नंबर पर रहे

पेरिस (ईएमएस)। भारतीय खिलाड़ी पेरिस ओलंपिक में इस बार भारतीय खिलाड़ी केवल छ पदक ही जीत पाये जबकि पिछली बार टोक्यो ओलंपिक में उसने 7 पदक जीते थे जिसमें एक स्वर्ण भी शामिल था। इस बार भारतीय दल के पास और भी पदक जीतने का अवसर था पर क्वार्टर फाइनल में हार से वह निकल गया। 6 खिलाड़ी चौथे नंबर पर रहे जिससे हाथ आये पदक निकल गये। इस बार केवल निशानेबाज ही उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन कर पाये। वहीं अन्य खेलों में निर्णायक क्षणों में हार से भारतीय खिलाड़ियों के हाथ से पदक निकल गये।

निशानेबाजी में दो पदक जीतकर, मनु भाकर ने प्रभावित किया। मुन ने एकल के बाद मिश्रित इवेंट में निशानेबाज सरबजोत सिंह के साथ कांस्य जीता। इसके अलावा व्यक्तिगत वर्ग में निशानेबाज स्वप्निल कुसाले ने भी कांस्य जीता। भाला फेंक में पिछले बार के स्वर्ण विजेता नीरज इस बार रजत पदक ही जीत पाये। भारतीय हॉकी टीम ने लगातार दूसरे ओलंपिक में कांस्य पदक जीता। कुश्ती में अमन सहरावत ने एक मात्र पदक जीता। कुश्ती में विनेश फोगाफ के सेमीफाइनल में वजन अधिक होने के कारण अयोग्य घोषित होने से भी भारत के हाथ से एक पदक निकल गया।

मनु भाकर 25 मीटर एयर पिस्टल में चौथे स्थान पर रही ओर उनके हाथ से तीसरा पदक निकल गया। इसके अलावा निशानेबाज अर्जुन बबूता भी पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल में चौथे नंबर पर रह गए। इसके अलावा महेश्वरी चौहान और अनंतजीत सिंह नरूका भी निशानेबाजी के स्कीट टीम इवेंट में चौथे नंबर पर रहे। बैडमिंटन में पीवी सिंधु लगातार तीसरी बार ओलंपिक पदक जीतने से रह गयीं। पुरुष एकल में लक्ष्य सेन भी सेमीफाइनल में पहुंच पर वहां हार से पदक नहीं जीत पाये। वहीं भारोत्तोलन में मीराबाई चानू भी पदक जीतने में विफल रहीं। . उन्होंने वेटलिफ्टिंग की अपनी कैटेगरी में कुल 199 किलो का वजन उठाया और चौथे नंबर पर रहीं. 200 किलो वजन उठाने वाली वेटलिफ्टर ने ब्रॉन्ज मेडल जीता. इस तरह मीराबाई चानू एक किलो वजन से मेडल चूक गईं. तीरंदाजी में अंकिता भकत और धीरज बोम्मादेवड़ा की जोड़ी भी चौथे स्थान पर रही और पदक हासिल नहीं कर पायी।

बिंद्रा ओलंपिक ऑर्डर से सम्मानित

पेरिस (ईएमएस)। भारत के महान निशानेबाज अभिनव बिंद्रा को शनिवार को प्रतिष्ठित ओलंपिक ऑर्डर से सम्मानित किया गया है। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक परिषद (आईओसी) ने बिंद्रा को ये सम्मान ओलंपिक मूवमेंट (आंदोलन) में उनके योगदान को देखते हुए दिया है। ओलंपिक ऑर्डर आईओसी की ओर से दिया जाने वाला सबसे बड़ा सम्मान है। इस सम्मान को पाकर उत्साहित बिंद्रा ने कहा कि कहा कि ये मेरे लिए सौभाग्य की बात है।

ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता बिंद्रा ने कहा, जब मैं छोटा बच्चा था, तो ये ओलंपिक रिंग ही थीं, जिन्होंने मेरे जीवन को अर्थ दिया। ऐसे में दो दशकों से अधिक समय तक अपने ओलंपिक सपने को पूरा करने में सक्षम होना मेरे लिए सौभाग्य की बात थी।

अपने एथलेटिक करियर के बाद, ओलंपिक आंदोलन को आगे ले जाने का प्रयस करना और अपनी ओर से उसमें योगदान देना मेरे लिए जुनून और खुशी की बात रही है। यह पुरस्कार आने वाले समय में उस जुनून को और अधिक बढ़ावा देता है और मुझे उम्मीद है कि मैं और भी अधिक मेहनत करना जारी रखूंगा और जीवन भर ओलंपिक आंदोलन में सहयोग देता रहूंगा। बिंद्रा को ये सम्मान मिलने पर बधाइयां भी मिल रही हैं।

पोलार्ड की आक्रामक बल्लेबाजी से सदर्न ब्रेव जीता ,राशिद की गेंदों पर 5 छक्के लगाये

साउथैम्पटन (ईएमएस)। वेस्टइंडीज के पूर्व क्रिकेटर कीरोन पोलार्ड ने द हंड्रेड क्रिकेट लीग में अफगानिस्तान के स्टार स्पिनर राशिद खान की जमकर पिटाई की। इस लीग में सदर्न ब्रेव की ओर से खेल रहे पोलार्ड ने राशिद की गेंदों पर लगातार 5 छक्के लगाये इससे उनकी टीम इस मैच में दो विकेट से जीत गयी। राशिद इस लीग में ट्रेंट रॉकेट्स की ओर से खेल रहे थे। द हंड्रेड में गेंदबाज 5 या फिर लगातार 10 गेंद डाल सकते हैं। इसे सेट कहा जाता है। पोलार्ड ने एक सेट की सभी 5 गेंदों पर छक्के लगा दिये। उन्होंने राशिद खान की गेंद पर मिड विकेट पर छक्का लगाया। इसके बाद एक गेंद पर चौका लगाया। इसके बाद अगली दो गेंदों पर पोलार्ड ने लॉन्ग ऑफ और मिड विकेट पर छक्का लगाया। पोलार्ड ने इस मैच में अपनी पारी में धीमी बल्लेबाजी की थी। तब अपनी शुरुआती 14 गेंदों में उन्होंने केवल 6 रन ही बनाये थे। सदर्न ब्रेव को अंतिम 20 गेंदों में जीत के लिए 49 रन चाहिए थे। ऐसे में पोलार्ड के 5 गेंदों पर 30 रन बनाने के बाद टीम को 15 गेंदों पर 19 रन बनाने थे। इस सेट से पहले राशिद ने 15 गेंद पर केवल 10 रन दिए थे। इस मैच को सदर्न ब्रेव ने दो विकेट से जीता। वहीं इससे पहले ट्रेंट रॉकेट्स ने बल्लेबाजी करते हुए 8 विकेट पर 126 रन बनाये।

स्वर्ण विजेता जापानी पहलवान हिगुची ने बढ़ाया विनेश का हौंसला

पेरिस (ईएमएस)। जापानी पहलवान रेई हिगुची अब भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाट के पक्ष में उतरे हैं। हिगुची के अनुसार विनेश को जिस प्रकार खिताबी मुकाबले से पहले अयोग्य घोषित कर बाहर कर दिया गया उससे होने वाले दुख को वह समझते हैं। विनेश को पेरिस ओलंपिक के फाइनल से पहले ही निर्धारित सीमा से 100 ग्राम अधिक होने के कारण फाइनल से बाहर कर दिया गया था। वहीं हिगुची को टोक्यो ओलंपिक में पुरुषों की 57 किग्रा फ्रीस्टाइल स्पर्धा में क्वालीफायर से ठीक पहले 50 ग्राम अधिक वजन होने के कारण बाहर कर दिया गया था। वहीं इस बार पेरिस ओलंपिक में हिगुची ने 57 किग्रा फ्रीस्टाइल के सेमीफाइनल में भारत के अमन सेहरावत को हराकर फाइनल में प्रवेश किया और स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने विनेश की संन्यास की घोषणा पर कहा कि मैं आपका दर्द अच्छी तरह समझता हूं क्योंकि मैं भी इस दौर से गुजरा हूं। साथ ही कहा कि दूसरों की बातों की चिंता मत करो।

हिंडनबर्ग के आरोपों के बाद सोमवार को शेयर बाजार पर क्या होगा असर

- विश्लेषक कहते हैं, बाजार में बड़ी हलचल की आशंका कम है, दहशत जैसी स्थिति नहीं रहेगी

नई दिल्ली (ईएमएस)। अमेरिकी शॉर्ट सेलर कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च ने आरोप लगाया है कि भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की अध्यक्ष माधवी पुरी बुच और उनके पति धवल बुच की अडानी समूह के कथित धन शोधन घोटाले में उपयोग की गईं विदेशी कंपनियों में हिस्सेदारी थी। हिंडनबर्ग ने कहा कि सेबी ने अडानी समूह के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की बल्कि अमेरिकी शॉर्ट सेलर को ही कारण बताओ नोटिस जारी कर दिया। इस मामले में शेयर बाजार विश्लेषकों का कहना है कि हिंडनबर्ग द्वारा सेबी प्रमुख माधबी और उनके पति धवल बुच पर लगाए आरोपों पर बाजार प्र?तिक्रिया तो करेगा, लेकिन बड़ा असर नहीं होगा। उनका मानना है कि ये आरोप केवल आरोप हैं, कुछ सिद्ध नहीं हुआ है। विशेषज्ञों का कहना है कि इन आरोपों का शेयर बाजार में मामूली प्रभाव तो हो सकता है, लेकिन बाजार में बड़ी हलचल यह हिंडनबर्ग के आरोप पैदा कर देगी, ऐसी आशंका अत्यधिक कम है। यह सेबी के आंतरिक संचालन और कर्मचारी अनुपालन से संबंधित मामला है। बाजार परिपक्व और कोई दहशत जैसी स्थिति पैदा नहीं होगी। एक रिपोर्ट की मानें तो बाजार रिएक्ट तो करेगा लेकिन साथ ही दूसरे निवेशकों के लिए मौके भी बना सकता है। एक रिपोर्ट के अनुसार ये आरोप मौजूदा सेबी प्रमुख के खिलाफ हैं। हालांकि बाजार में तेजी से सुधार भी आ सकता है। समस्या तभी पैदा होगी जब सेबी अध्यक्ष बुच की इन आरोपों के चलते छुट्टी कर दे। आईसीआईसीआई बैंक में चंदा कोचर के मामले ऐसा देखा गया था। इक्विनॉमिक्स रिसर्च के एक शोधकर्ता का भी मानना है कि हिंडनबर्ग ने जो कहा है वह, केवल आरोप हैं और वे ऐसी रिपोर्टों पर विश्वास नहीं करते हैं। उन्होंने सोमवार को शेयर बाजार के स्थिर रहने की संभावना जताई है। अल्फानिटी फिनटेक के एक विश्लेषक ने कहा कि हिंडनबर्ग रिसर्च द्वारा लगाए गए आरोपों का वैसा प्रभाव पड़ने की संभावना बहुत कम है, जैसी अडानी पर आई रिपोर्ट पर हुआ था। हिंडनबर्ग के आरोपों का बाजार की धारणा पर ज्यादा असर नहीं पड़ेगा। आरोप अप्रत्यक्ष हैं और इसका ज्यादा मतलब नहीं है। किसी भी तरह की शुरुआती प्रतिक्रिया के बाद बाजार में फिर से तेजी आएगी।

कमला हैरिस ने किया नीति मंच जारी करने का वादा

वाशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिकी उपराष्ट्रपति व डेमोक्रेटिक पार्टी की राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला हैरिस ने अगले सप्ताह अपना नीति मंच जारी करने का वादा किया है। उन्होंने मीडिया से कहा नीति मंच अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और कीमतें कम करने पर केंद्रित होगा। देश भर में मुद्रास्फीति और कीमतों में वृद्धि के लिये रिपब्लिकन डेमोक्रेटिक प्रशासन को दोषी मानते हैं।

आर्थिक नीति घोषित समाजशास्त्रियों के अनुसार महंगाई को कम करने का मुद्दा मतदाताओं के लिए मुख्य है। निवर्तमान, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन ने स्वास्थ्य के बारे में चिंताओं और बढ़ती आलोचना के बीच पहले दूसरे कार्यकाल के लिए पुनर्मिलन नहीं करने का फैसला किया और अपने प्रतिस्थापन के रूप में अपने उपराष्ट्रपति हैरिस का समर्थन किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव पांच नवंबर को होगा। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को रिपब्लिकन पार्टी ने आधिकारिक तौर पर राष्ट्रपति पद के लिए नामित किया है।

हिजबुल्ला ने इजराइली सैन्य ठिकानों पर किए हमले

बेरूत,(ईएमएस)। हिजबुल्लाह ने इजराइली सैन्य ठिकानों पर लगातार हमले किए हैं। करीब 24 घंटे में लेबनान से हिजबुल्लाह ने इजराइली सेना के खिलाफ 10 युद्ध अभियान चलाए हैं। इनमें ऊपरी गलील में बस्तियों पर बड़े पैमाने पर मिसाइलें दागी गई हैं।

इस आशय की जानकारी देते हुए हिजबुल्लाह के सूत्रों ने बताया, कि लेबनान-इजराइल सीमा पर लगाए गए कई दृश्य नियंत्रण प्रणालियों को नष्ट किया जा चुका है। इसके साथ ही इजराइली सेना के 04 ठिकानों पर मिसाइल से हमले किए गए हैँ। इसके अतिरिक्त सार क्षेत्र में मिसाइल द्वारा इजराइली सैन्य कर्मियों पर हमला किया गया है। इससे पहले शुक्रवार शाम हिज़्बुल्लाह ने सफ़ेद शहर के दक्षिण-पश्चिम स्थित एक उत्तरी सैन्य रसद अड्डे पर भी हमला करने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल किया था।

वहीं दूसरी तरफ इजराइल ने एक बयान में कहा है, कि जवाबी कार्रवाई करते हुए इजराइली सेना ने 16 बस्तियों पर हवाई हमले किए हैं। इज़राइली वायु सेना के एक विमान ने बेरूत के आसमान में विस्फोटों की आवाज़ का अनुकरण कर एक और विस्फोट किया है।

यहां बताते चलें कि इजराइल-लेबनान सीमा पर स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। इजराइल की सेना और हिजबुल्लाह लड़ाके सीमा से लगे इलाकों में रोजाना एक-दूसरे के ठिकानों को निशाना बना गोलाबारी कर रहे हैं।

लेबनान के विदेश मंत्रालय द्वारा दी गई जानकारी अनुसार, इजराइल की ओर से की जा रही गोलाबारी के कारण करीब 1,00,000 लोगों को दक्षिणी लेबनान में अपने घरों को छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा है। वहीं दूसरी तरफ इजराइल ने उत्तरी इज़राइल के लगभग 80,000 निवासियों के विस्थापित होने की जानकारी सूत्रों के हवाले से दी है।

बांग्लादेश में तख्तापलट के बाद जजों को बदला,-ओबैदुल हसन ने दिया इस्तीफा, रेफात अहमद बने नए चीफ जस्टिस

ढाका,(ईएमएस)। बांग्लादेश में आरक्षण विरोधी हिंसक प्रदर्शन और पीएम शेख हसीना के इस्तीफे और देश छोड़ने के बाद अब आंदोलनकारी जजों को भी हटाने पर आमादा हैं और उनके खिलाफ हिंसक प्रदर्शन कर रहे हैं। इसी बीच बांग्लादेश सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस के खिलाफ भी प्रदर्शन शुरू हो गए तो सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस ओबैदुल हसन ने भी इस्तीफा दे दिया है। राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने सैयद रेफात अहमद को सुप्रीम कोर्ट का नया चीफ जस्टिस नियुक्त किया है।

जस्टिस हसन के अलावा सुप्रीम कोर्ट की अपीलीय डिवीजन के पांच जजों ने भी पद से इस्तीफा दे दिया था। सुप्रीम कोर्ट के जनसंपर्क अधिकारी मोहम्मद शफीकुल इस्लाम ने पत्रकारों को बताया कि हसन के इस्तीफे के बाद अपीलीय डिवीजन के जज मोहम्मद अशफाकुल इस्लाम को कार्यवाहक प्रधान न्यायाधीश नियुक्त किया है। हालांकि राष्ट्रपति ने तत्काल सैयद रेफात अहमद की नियुक्ति भी कर दी है। चीफ जस्टिस ने अपना फैसला दोपहर करीब एक बजे उस समय सुनाया, जब भेदभाव विरोधी छात्र प्रदर्शनकारी कोर्ट परिसर में जमा हो गए। प्रदर्शनकारी छात्रों ने हसन और अपीलीय डिवीजन के जजों को दोपहर एक बजे तक इस्तीफा देने की चेतावनी दी थी। नवगठित अंतरिम सरकार के कानूनी सलाहकार प्रोफेसर आसिफ नजरुल ने एक वीडियो संदेश में कहा कि सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस ने कुछ मिनट पहले ही इस्तीफा दे दिया है। उनका इस्तीफा कानून मंत्रालय को मिल चुका है।

नजरुल ने कहा कि इस्तीफा राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन को आवश्यक कदम उठाने के लिए बिना किसी देरी के भेजा जाएगा और उम्मीद है कि यह प्रक्रिया बहुत जल्द पूरी हो जाएगी। छात्रों और अन्य प्रदर्शनकारियों के ताजा विरोध-प्रदर्शन के मद्देनजर ढाका विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर डॉ मकसूद कमाल और बांग्ला अकादमी के महानिदेशक प्रोफेसर डॉ मोहम्मद हारुन-उर-रशीद असकरी सहित कई अन्य शीर्ष अधिकारियों ने अपने पदों से इस्तीफा दे दिया।

चीफ जस्टिस ने सुप्रीम कोर्ट परिसर में पत्रकारों को बताया कि उन्होंने बदलती परिस्थितियों के बीच देश भर में सुप्रीम कोर्ट, हाईकोर्ट और निचली अदालतों के जजों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इस्तीफा देने का फैसला किया है। यह पूछे जाने पर कि क्या सुप्रीम कोर्ट के अन्य न्यायाधीश भी इस्तीफा देंगे तो चीफ जस्टिस ने कहा कि यह उनका फैसला है। बांग्लादेश में राजनीतिक उथल-पुथल के बाद पीएम शेख हसीना ने पद से इस्तीफा दे दिया था और देश छोड़कर भारत चली गई। इसके बाद नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस ने गुरुवार को अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में शपथ ली।

वृहद-आर्थिक आंकड़े, कंपनी परिणाम तय करेंगे बाजार की चालः विश्लेषक

- स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर गुरुवार को शेयर बाजार बंद रहेंगे

मुंबई (ईएमएस)। इस सप्ताह वृहद-आर्थिक आंकड़े, कंपनियों के जून तिमाही के परिणाम, जुलाई की थोक और खुदरा महंगाई के आंकड़ों और वैश्विक रुझान से शेयर बाजार की चाल तय होगी। विश्लेषकों ने यह अनुमान जताया है। इसके अलावा विदेशी निवेशकों की व्यापारिक गतिविधि भी बाजार में गतिविधियों को निर्धारित करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस सप्ताह चार दिन ही कारोबार होगा। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर गुरुवार को शेयर बाजार बंद रहेंगे। बाजार विश्लेषक ने कहा कि इस सप्ताह सबका ध्यान वैश्विक बाजारों पर रहेगा क्योंकि हम स्थिरता की लंबी अवधि के बाद कमजोरी का असर देख सकते हैं। भारतीय इक्विटी बाजार में भी इस सप्ताह कुछ हद तक स्तर बनाए रखने की स्थिति से जूझ सकते हैं। बाजार के ऊंचे मूल्यांकन के अलावा भू-राजनीतिक तनाव भी बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि घरेलू मोर्चे पर अप्रैल-जून तिमाही के लिए कंपनियों के वित्तीय नतीजों का अंतिम दौर इस सप्ताह खास शेयरों की दिशा तय करेंगे। इस सप्ताह हीरो मोटोकॉर्प और हिंडाल्को जैसी कुछ बड़ी कंपनियों के नतीजे आने वाले हैं। उन्होंने कहा कि संस्थागत प्रवाह भी बाजार की गतिशीलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। वोडाफोन आइडिया, एनएमडीसी, आईआरसीटीसी, एसजेवीएन और पीसी ज्वैलर भी सप्ताह के दौरान अपनी तिमाही आय की घोषणा करेंगे। व्यापक आर्थिक मोर्चे पर सोमवार को जून के औद्योगिक उत्पादन आंकड़े और जुलाई की खुदरा मुद्रास्फीति दर की घोषणा की जाएगी। थोक मूल्य सूचकांक आधारित खुदरा मुद्रास्फीति का आंकड़ा बुधवार को जारी किया जाएगा। बाजार के जानकारों ने कहा ?कि इस सप्ताह आने वाले भारतीय मुद्रास्फीति के आंकड़ों के अलावा वैश्विक बाजार घरेलू बाजार की दिशा तय करेंगे।

अरे वाह........बीमार छात्र की जगह रोबोट क्लास अटेंड कर रहा

लंदन (ईएमएस)। छात्र हायर एजुकेशन में भी रोबोटिक्स और एआई की पढ़ाई कर रहे हैं। लेकिन साउथ वेस्ट लंदन से एक बिल्कुल ही अलग मामला सामने आया है। यहां 12 साल के एक बच्चे के बीमार पड़ने पर उसकी जगह रोबोट कक्षा में शामिल हो रहा है। इससे बच्चे की पढ़ाई का नुकसान होने से बच रहा है। 12 वर्षीय हावर्ड साउथ-वेस्ट लंदन के एक स्कूल में पढ़ाई करता है। दिसंबर 2023 में एक रेयर आर्म कैंसर ने हावर्ड को जकड़ लिया। जनवरी 2024 से उसकी कीमोथैरेपी चल रही है। इस हालत में वह स्कूल जाने में सक्षम नहीं है।

हालांकि इस रोबोट की वजह से उसके स्ट्रगल में थोड़ी राहत पहुंची है। दरअसल, स्कूल अटेंड न कर पाने की वजह से उपस्थिति कम हो रही थी। इससे उसे आगे परेशानी हो सकती थी। यह रोबोट इलेक्ट्रॉनिक डबल के तौर पर स्कूल जाकर क्लासेस अटेंड करता है।

बता दें कि यह ऑडियो-विजुअल रोबोट एक इंटरैक्टिव अवतार है। इसकी मदद से हावर्ड घर या हॉस्पिटल से क्लासेस अटेंड कर लेता है। इसके जरिए हावर्ड क्लास में अपनी बात कहता है और टीचर की बातें सुनता है। वह नोट्स भी बना लेता है। इस तरह से हावर्ड घर या हॉस्पिटल में रहते हुए भी हर क्लास का हिस्सा बन पा रहा है। स्कूल के टीचर्स और स्टूडेंट्स को भी रोबोट ट्रेनिंग दी जा रही है। इससे वे एवी हावर्ड (रोबोट) की मदद से असली हावर्ड की पढ़ाई में मदद कर सकते हैं। यह रोबोट काफी खास है। इसके अंदर बिल्ट इन कैमरा लगा है। इसकी मदद से हावर्ड क्लास में हो रही हर गतिविधि में भाग लेगा है। इसके स्पीकर से वह टीचर्स से बात कर सकता है।

रूस ने सेना में शामिल भारतीयों पर दी सफाई, कहा कब से भर्ती बंद

मॉस्को(ईएमएस)। रुसी दूतावास ने कहा कि मॉस्को और नई दिल्ली उन भारतीय नागरिकों की शीघ्र पहचान और सेवा से मुक्ति के लिए काम कर रहे हैं, जो स्वेच्छा से सैन्य सेवा में संविदात्मक कार्य में शामिल हुए थे और अब घर लौटना चाहते हैं। बयान में यह भी कहा गया है कि कांट्रैक्ट की सभी शर्तों को पूरा किया जाएगा और इन्हें पूरा मुआवजा भी दिया जाएगा। रूसी दूतावास के बयान में कहा गया है कि इस साल अप्रैल से रूसी रक्षा मंत्रालय ने भारत सहित कई अन्य देशों के नागरिकों को सैन्य सेवा में भर्ती करना बंद कर दिया है। उसने कहा कि रूसी सेना इस तरह के किसी अभियान का हिस्सा नहीं है, जिसमें दूसरे देश के लोगों को वहां पर नौकरी देने की बात कही गई है। इस तरह के अभियान जालसाजी हो सकते हैं। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी अपने बयान में कहा कि सीबीआई इस तरह के मामलों की जांच कर रही है। जांच में कुछ मानव तस्करों के शामिल होने की जानकारी सामने आई है। इसके मुताबिक भारतीयों को यह कहकर गुमराह किया गया कि उन्हें विदेश में अच्छी नौकरी दिलाई जाएगी। इसके बाद उन्हें ले जाकर रूस की सेना में भर्ती कर दिया गया है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को लोकसभा में कहा कि कुल 91 भारतीयों की रूस की सेना में नियुक्ति हुई थी। इनमें से आठ लोगों की अभी तक मौत हो चुकी है। अन्य 14 लोग या तो सेना द्वारा मुक्त कर दिए गए या किसी अन्य मदद से भारत लौटने में सफल रहे। विदेश मंत्री के मुताबिक फिलहाल कुल 69 भारतीय नागरिक रूसी सेना द्वारा सेवा से मुक्त किए जाने का इंतजार कर रहे हैं।

देश में 10,000-20,000 रुपये कीमत वाले स्मार्टफोन की मांग ज्यादाः इन्फिनिक्स इंडिया

लखनऊ (ईएमएस)। देश के स्मार्टफोन उद्योग में 10,000-20,000 रुपये की कीमत वाले मोबाइल फोन का दबदबा बरकरार है, जो कुल बाजार आकार का 40 प्रतिशत से अधिक है। इन्फिनिक्स इंडिया के एक व?रिष्ठ अ?धिकारी ने यह बात कही है। अ?धिकारी ने कहा कि हाल के दिनों में 5जी सक्षम हैंडसेट की मांग बढ़ी है और 10,000 रुपये से 20,000 रुपये के बीच की कीमत वाले डिवाइस की मांग अधिक देखी जा रही है, जबकि पहले 10,000 रुपये से कम कीमत वाले डिवाइस बाजार में छाए रहते थे। उन्होंने कहा कि पिछले दो वर्षों से बाजार में जो ठहराव था, वह बदल गया है और बाजार एक बार फिर से बढ़ने लगा है। उन्होंने कहा ?कि पहले भारत में 10,000 रुपये से कम कीमत वाले फोन का बाजार पर दबदबा था और यह करीब 35 से 40 फीसदी था। अब प्रमुख बाजार 10,000 से 20,000 रुपये की कीमत वाले मोबाइल फोन के पास चला गया है, जो करीब 43 फीसदी है। उन्होंने इस नए रुझान का श्रेय उन्नत सुविधाओं और नवीनतम तकनीक के प्रति उपयोगकर्ताओं की प्राथमिकता को दिया। फिलहाल 5जी फोन की कीमत 10,000 से 11,000 रुपये से शुरू है। उन्होंने कहा ?कि उत्तर प्रदेश हमारे लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन, दोनों ही दृष्टि से सबसे बड़े बाजारों में से एक है, और एक ब्रांड के रूप में हमारे लिए प्रतिक्रिया अभूतपूर्व रही है।

शेख हसीना ने अमेरिका पर देश में सत्ता परिवर्तन की साजिश रचने का आरोप लगाते हुए कहा कि मैंने सत्ता छोड़ी, ताकि शवों का जुलूस न देखना पड़े

नई दिल्ली(ईएमएस)। बांग्लादेश में तख्तापलट हुए एक हफ्ता हो चुका है। शेख हसीना जो हफ्ते भर पहले पीएम थीं, वह अब पूर्व हो चुकी हैं, साथ ही देश से निर्वासित भी...लेकिन इस बीच उनका वो आखिरी भाषण सामने आया है जो अभी तक सार्वजनिक नहीं हो सका था। प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने और अपने ढाका स्थित आवास से निकलने से पहले शेख हसीना राष्ट्र को संबोधित करना चाहती थी। खासकर उन प्रदर्शनकारियों को, जिनके आंदोलन के कारण उन्हें शीर्ष पद छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा। प्रदर्शनकारी उनके दरवाजे तक पहुंच गए और देश के शीर्ष सुरक्षा अधिकारियों ने उन्हें जल्द से जल्द वहां से चले जाने की सलाह दी।

शेख हसीना ने अमेरिका पर देश में सत्ता परिवर्तन की साजिश रचने का आरोप लगाया है और अगर उन्हें मौका मिलता तो वह अपने भाषण में क्या कहने वाली थीं, वह आखिरी संदेश सामने आया है। शेख हसीना के भाषण में था कि मैंने इस्तीफा दे दिया, ताकि मुझे शवों का जुलूस न देखना पड़े। वे छात्रों के शवों पर सत्ता में आना चाहते थे, लेकिन मैंने इसकी अनुमति नहीं दी। मैंने प्रधान मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया।

कट्टरपंथियों के बहकावे में न आएं

शेख हसीना ने कहा कि मैं सत्ता में बनी रह सकती थी, अगर मैं सेंट मार्टिन द्वीप(आईलैंड) की संप्रभुता अमेरिका के सामने समर्पित कर दी होती और उसे बंगाल की खाड़ी में अपना प्रभुत्व स्थापित करने की अनुमति दे दी होती।

घरेलू खाद्य बाजार बढ़कर 1,274 अरब डॉलर पहुंच सकता हैः रिपोर्ट

नई दिल्ली (ईएमएस)। घरेलू खाद्य बाजार के 2027 तक 47 प्रतिशत से बढ़कर 1,274 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच सकता है। उद्योग मंडल भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) की एक रिपोर्ट में यह बात कही गई। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के खाद्य प्रसंस्करण उद्योग में अत्याधुनिक तकनीक के साथ नवाचारी स्टार्टअप उभर रहे हैं। भारत में खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र दक्षिणी राज्यों के लिए संभावनाएं शीर्षक वाली रिपोर्ट के मुताबिक तमिलनाडु भारत के प्रसंस्कृत फलों, जूस और मेवों के निर्यात में सबसे आगे है। राज्य की मात्रा के हिसाब से 33 प्रतिशत और मूल्य के हिसाब से 27 प्रतिशत हिस्सेदारी है। अध्ययन में उभरते रुझानों, प्रौद्योगिकियों और निर्यात अवसरों के बारे में विचार किया गया है। सीआईआई नेशनल काउंसिल फॉर कोल्ड चेन एंड एग्री लॉजिस्टिक्स के एक व?रिष्ठ अ?धिकारी ने कहा कि इस वृद्धि को रफ़्तार देने में प्रौद्योगिकी अग्रणी भूमिका निभाएगी।

बांग्लादेश में उठी हसीना की वापसी की मांग, सेना के काफिले पर हमला,15 घायल

ढाका(ईएमएस)। बांग्लादेश में कोई भी सुरक्षित नहीं है। कई दिनों से जारी हिंसा अब बेकाबू हो गई है। इसी बीच सेना के जवानों पर भी हमले की खबर है। सेना की गाड़ी पर ये हमला गोपालगंज इलाके में हुआ। रिपोर्ट के अनुसार, इस घटना में सेना के जवानों, पत्रकारों और स्थानीय लोगों सहित 15 लोग घायल हो गए हैं। घायलों में दो को गोली लगी है। यह घटना शनिवार शाम करीब 4 बजे तब हुई जब अवामी लीग के हजारों कार्यकर्ता शेख हसीना की वापसी की मांग करते हुए सड़क पर थे।

बांग्लादेश में हिंदुओं को भी निशाना बनाया जा रहा है। कई मंदिरों को आग लगा दी गई है। इसी बीच अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने शनिवार को हिंसा प्रभावित अल्पसंख्यक समुदायों पर हमलों की निंदा की। उन्होंने अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमलों को जघन्य बताया और सभी युवाओं से हिंदू, ईसाई, बौद्ध परिवारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह किया। बांग्लादेश के दो हिंदू संगठनों- बांग्लादेश हिंदू बौद्ध ईसाई एकता परिषद और बांग्लादेश पूजा उद्यापन परिषद के अनुसार, 5 अगस्त को शेख हसीना के नेतृत्व वाली सरकार के पतन के बाद से बांग्लादेश में अल्पसंख्यक समुदायों के सदस्यों को 53 जिलों में हमलों की कम-से-कम 205 घटनाओं का सामना करना पड़ा।

बिगड़े हालातों के बीच हजारों की संख्या में अवामी लीग के नेता, कार्यकर्ता और स्थानीय लोग पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की देश में वापसी की मांग कर रहे थे। उन्होंने ढाका-खुलना राजमार्ग को अवरुद्ध कर दिया था। इसी बीच सेना की गाड़ी वहां पहुंची और उन्होंने प्रदर्शनकारियों से सड़क को खोलने और प्रदर्शन को खत्म करने की अपील की। लेकिन भीड़ ने उन पर ईंटें फेंकना शुरू कर दिया। बाद में भीड़ को तितर-बितर करने के लिए सेना के जवानों ने लाठियां भांजी। इसके जवाब में प्रदर्शनकारियों ने सेना के वाहन में तोड़फोड़ की और उसे आग के हवाले कर दिया।गोपालगंज कैंप के लेफ्टिनेंट कर्नल मकसुदुर रहमान ने घटना की पुष्टि की और कहा कि करीब 3,000 से 4,000 लोगों ने इकट्ठा होकर सड़क जाम कर दी है। हमले में सेना के कई जवान घायल हुए हैं।गोपीनाथपुर संघ के पूर्व अध्यक्ष लच्छू शरीफ ने कहा कि सेना के सदस्यों ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए गोलीबारी की। एक बच्चे सहित दो लोगों को गोली मार दी गई। घटना में किसी की मौत नहीं हुई।

पड़ोसी देश बांग्लादेश में अशांति के मद्देनजर असम पुलिस भारत-बांग्लादेश सीमा पर हाई अलर्ट पर है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी व्यक्ति अवैध रूप से राज्य में प्रवेश न कर सके। पुलिस महानिदेशक जी।पी। सिंह ने कहा कि केंद्र ने निर्देश जारी किया है कि किसी भी व्यक्ति को बांग्लादेश से अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

जब देवदूत बने द ग्रेट खली, सड़क हादसे में घायल की बचाई जान

ऊना,(ईएमएस)। डब्ल्यूडब्ल्यूई के रेसलर द ग्रेट खली हिमाचल से जालंधर लौट रहे थे। वहीं रास्तें एक सड़क हादसा हो गया जिसमें घायल व्यक्ति को देखकर खली बेचैन हो गए उन्होंने तुरंत उसकी मदद की और अपनी गाड़ी से उसे घायल को अस्पताल पहुंचा कर उसकी जान बचाई। खली के अस्पताल पहुंचने की सूचना पूरे अस्पताल फैल गई। खली को देखते लोगों की भीड़ जुट गई। हर कोई खली के इस काम की तारीफ करता नजर आया।

जानकारी के मुताबिक शनिवार को ऊना अम्ब रोड़ पर एक गाड़ी हादसे का शिकार हो गई। इसमें सवार फाजिल्का पंजाब का एक व्यक्ति गंभीर रुप से घायल हो गया। हादसे के दौरान किसी ने भी घायल को उठाने की जहमत नहीं उठाई। उसी वक्त ग्रेट खली कांगड़ा से जालंधर लौटते समय घटनास्थल पर भीड़ देख रुक गए। हादसे में घायल व्यक्ति को अपनी गाड़ी में बैठाकर ऊना अस्पताल ले गए। अस्पताल में घायल व्यक्ति को उपचार दिया गया लेकिन उसकी हालत गंभीर होने के चलते चिकित्सकों ने उसे चंडीगढ़ रेफर कर दिया।

हादसे में घायल व्यक्ति गुरनाम सिंह के साथ गाड़ी में सफर कर रहे श्रद्धालु ने बताया कि वे लोग माता नैना देवी मंदिर से माथा टेकने के बाद माता चिंतपूर्णी जा रहे थे। इसी दौरान एक कैंटर से टक्कर होने से गुरनाम सिंह सड़क पर जा गिरा। इस हादसे में उसके सिर में चोट लग गई। मौके पर कोई भी व्यक्ति मदद के लिए आगे नहीं आ रहा था। द ग्रेट खली ने घटनास्थल पर पहुंचकर अपनी गाड़ी रोकी और घायल गुरनाम सिंह को अस्पताल पहुंचने में मदद की।

वाहनों में फैंसी नंबर प्लेट्स लगाना होगा महंगा

नई दिल्ली (ईएमएस)। वाहनों में पसंदीदा नंबर प्लेट्स लगवाना जल्द ही महंगा हो सकता है, क्योंकि सरकार फैंसी नंबर प्लेट्स पर 28 फीसदी की जीएसटी दर लागू करने पर ?विचार कर रही है। एक रिपोर्ट के अनुसार इस प्रस्ताव को वित्त मंत्रालय के पास भेजा गया है, जिसमें पूछा गया है कि क्या फैंसी नंबर या नंबर ऑफ चॉइस को लग्जरी आइटम के रूप में मानकर उस पर उच्चतम जीएसटी दर लगाना उ?चित है। सूत्रों के अनुसार फील्ड फॉर्मेशंस ने सेंट्रल बोर्ड ऑफ इनडाइरेक्ट टैक्सेज एंड कस्टम्स (सीबीआईसी) को पत्र लिखकर यह स्पष्ट करने को कहा है कि क्या फैंसी नंबर प्लेट्स पर जीएसटी की देनदारी बनती है। फील्ड फॉर्मेशंस का कहना है कि फैंसी नंबर प्लेट्स लग्जरी आइटम हैं और इस पर 28 फीसदी की जीएसटी दर लागू होनी चाहिए। वाहनों में नंबर प्लेट या रजिस्ट्रेशन प्लेट देने का काम राज्य सरकार के प्राधिकरणों का होता है। फैंसी नंबर देने के लिए राज्य सरकारें नीलामी करती हैं, जिसके लिए अलग से शुल्क का भुगतान करना पड़ता है। कई बार फैंसी नंबर की नीलामी लाखों रुपए में होती है और लोग अपनी गाड़ियों में फैंसी नंबर लगवाने के लिए लाखों रुपए खर्च भी करते हैं। फील्ड फॉर्मेशंस सभी राज्यों और जोन में स्थित केंद्र सरकार के दफ्तर होते हैं, जो टैक्स कलेक्शन के लिए जिम्मेदार होते हैं। टैक्स कलेक्शन के अलावा फील्ड फॉर्मेशंस के पास टैक्स से जुड़े नियमों को लागू कराने की भी जिम्मेदारी होती है और वही टैक्सपेयर्स के साथ बात भी करते हैं। अगर फील्ड फॉर्मेशंस की बात मानी गई तो जल्दी ही फैंसी नंबर के लिए लोगों का खर्च बढ़ सकता है।

भाजपा सभी विधानसभा क्षेत्रों में तिरंगा यात्रा निकालेगी

लखनऊ (ईएमएस)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राज्य इकाई रविवार से मंगलवार तक प्रदेश के सभी 403 विधानसभा क्षेत्रों में तिरंगा यात्रा निकालेगी। पार्टी मुख्यालय से शनिवार को एक बयान में यह जानकारी दी गयी। बयान के अनुसार भाजपा हर घर तिरंगा अभियान के तहत विधानसभा स्तर पर तिरंगा यात्रा आयोजित करेगी जो 11 अगस्त से 13 अगस्त तक प्रदेश की सभी 403 विधानसभाओं में राष्ट्र प्रेम का संदेश लेकर शहर, गांव, गली, मोहल्लों तक पहुंचेगी।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी तथा प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह सहित प्रदेश सरकार के मंत्री, सांसद, विधायक, पार्टी के मंडल, बूथ के पदाधिकारी व सभी जनप्रतिनिधि पार्टी कार्यकर्ताओं व स्थानीय नागरिकों के साथ हाथों में तिरंगा लेकर इस यात्रा के लिए निकलेंगे।

हर घर तिरंगा अभियान के प्रदेश सह संयोजक डॉ समीर सिंह ने शनिवार को बताया कि भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी रविवार को सहारनपुर में तिरंगा यात्रा में पार्टी पदाधिकारियों तथा कार्यकर्ताओं के साथ सहभागिता करेंगे।

सांसद सुप्रिया सुले का मोबाइल फोन हैक हो गया है

मुंबई, (ईएमएस)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) की सांसद सुप्रिया सुले का मोबाइल फोन हैक हो गया है. इस बात की जानकारी खुद सुप्रिया सुले ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर देते हुआ कहा कि उनका मोबाइल और व्हाट्सएप हैक कर लिया गया है. सुप्रिया सुले ने रविवार दोपहर करीब 1 बजे सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया. इसमें उन्होंने कार्यकर्ताओं और जनता को संदेश दिया. सुप्रिया सुले ने बेहद अहम बात बताते हुए कहा कि उनका मोबाइल फ़ोन हैक कर लिया गया है. साथ ही उन्होंने कहा कि कोई भी उन्हें कॉल या मैसेज न करे. मेरा फ़ोन हैक हो गया है. मेरा फ़ोन कोई और चला रहा है। हैक के बाद मैंने देखा कि मेरा व्हाट्सएप काम नहीं कर रहा था। मैंने जयंत राव से कहा, मेरा फोन चेक करो, उन्होंने नमस्कार कहते हुए वॉट्सऐप मैसेज भेजा। उस समय मेरे कुछ किये बिना ही जयन्तराव को नमस्कार का उत्तर दे दिया गया। इसके बाद मैंने अपना मोबाइल बंद कर दिया और सिम हटा दी. उसके बाद फिर मैंने उनसे व्हाट्सएप पर मैसेज करने को कहा. उस वक्त हैकर ने एक मैसेज भेजा जिसमें लिखा था आप कहां हैं जब दूसरे व्यक्ति ने हैलो वाला मैसेज भेजा तो उन्हें भी हैलो वाला मैसेज मिला. इसके बाद उन्होंने मैसेज भेजा कि हम आपका इंतजार कर रहे हैं और फिर दोबारा मैसेज आया जिसमें लिखा था कि आई कॉल यू लेटर अभी भी समझ नहीं आ रहा है कि भले ही मेरा फोन बंद हो गया है, लेकिन सिम हटा दी गई है, फिर भी मुझसे चैट हो रही है। मैंने इस संबंध में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है.

19 सितंबर से एक बार फिर मैदान में उतरेगी भारतीय क्रिकेट टीम

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम अब 19 सितंबर से एक बार फिर मैदान में नजर आयेगी। श्रीलंका दौरा के बाद टीम को तरोताजा होने के लिए करीब सवा महीने का ब्रेक मिल गया है। आमतौर पर वरिष्ठ सीनियर खिलाड़ियों को आराम देकर युवाओं को उतारा जाता है पर इस साल कार्यक्रम ऐसा है कि युवाओं को भी ब्रेक मिल गया है क्योंकि इस बीच कोई सीरीज नहीं है।

भारतीय क्रिकेट टीम अब सीधा 19 सितंबर से बांग्लादेश टीम से घरेलू सीरीज खेलेगी। इस सीरीज में टीम को दो टेस्ट और तीन टी20 मैच खेलने हैं। यह टेस्ट सीरीज विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में शामिल रहेगी। ऐसे में भारत के पास बांग्लादेश को हराकर अंक तालिका में बढ़त लेने कर अच्छा अवसर है। भारतीय टीम अभी अंकतालिका में पहले स्थान पर है। इस सीरीज के बाद न्यूजीलैंड की टीम भारत दौरे पर तीन मैच की टेस्ट सीरीज के लिए आएगी, यह सीरीज भी डब्ल्यूटीसी का हिस्सा रहने वाली है। इसके बाद भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका जाएगी। इस दौरे में चार मैच में टी20 सीरीज होगी। इसके बाद भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया जाएगी। वहीं अगले साल की शुरुआत में उसे इंग्लैंड जाना है। ऐसे में देखा जाये तो 19 सितंबर से भारतीय टीम का जो कार्यक्रम है वह काफी व्यस्त है।

भारत ओर बांग्लादेश के बीच पहला टेस्ट- चेन्नई में 19 से 23 सितंबर तक खेला जाएगा जबकि दूसरा टेस्ट कानपुर में 27 सितंबर से 1 अक्टूबर के बीच होगा। इसके बाद तीन टी20 मैच धर्मशाला , दिल्ली और हैदराबाद में 6 , 9 और

12 अक्टूबर को खेले जाएंगे।

इस सीरीज के बाद न्यूजीलैंड की टीम भारत दौरे पर तीन मैच की टेस्ट सीरीज के लिए आएगी, यह सीरीज भी डब्ल्यूटीसी का हिस्सा रहने वाली है। न्यूजीलैंड के भारत दौरे का आगाज 16 अक्टूबर से शुरु होगा।

इस सीरीज का पहला पहला टेस्ट बेंगलुरु में 16 से 20 अक्टूबर जबकि दूसरा पुणे में 24 से 28 अक्टूबर और तीसरा मुंबई में 1 से 5 नवंबर के बीच खेला जाएगा।

बांग्लादेश और न्यूजीलैंड की मेजबानी करने के बाद भारतीय टीम चार मैच की टी20 सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका का दौरा करेगी। यह सीरीज 8 नवंबर से शुरू होगी और आखिरी मैच 15 नवंबर को खेला जाएगा।

इस पहला टी20- डरबन में 8 नवंबर जबकि दूसरा टी20- गकबेर्हा में 10 नवंबर, तीसरा टी20- सेंचुरियन में 13 नवंबर और चौथा टी20 जोहानसबर्ग में 15 नवंबर को खेला जाएगा।

दक्षिण अफ्रीका के बाद भारतीय टीम का अगला दौरा ऑस्ट्रेलिया का होगा। बॉर्डर गावस्कर टेस्ट सीरीज में टीम इंडिया इस बार 4 की जगह 5 मैच की टेस्ट सीरीज खेलेगी। भारत ने पिछले दो दौरों पर ऑस्ट्रेलिया को हराया है। ऐसे में इस बार भी टीम की नजरें जीत पर रहेंगी।

इस दौरे में ऑस्ट्रेलिया से पहला टेस्ट- पर्थ में 22 नवंबर से 26 नवंबर जबकि दूसरा एडिलेड में 6 दिसंबर से 10 दिसंबर, तीसरा टेस्ट ब्रिसबेन में 14 दिसंबर से 18 दिसंबर , चौथा टेस्ट मेलबर्न में 26 दिसंबर से 30 दिसंबर तक खेला जाएगा। पांचवां टेस्ट सिडनी में 3 जनवरी से 7 जनवरी तक होगा।) ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद भारतीय टीम नये साल की शुरुआत में इंग्लैंड की मेजबानी करेगी। इस सीरीज में भारतीय टीम 5 टी20 और तीन मैच की एकदिवसीय सीरीज खेलेगी। चैंपियंस ट्रॉफी से पहले यह वनडे सीरीज दोनों टीमों के लिए महत्वपूर्ण होगी।

महिला टी20 विश्वकप के लिए बीसीबी ने सेना प्रमुख से मांगी सुरक्षा गारंटी

ढ़ाका (ईएमएस)। बांग्लादेश में राजनीतिक अस्थिरता के कारण अक्टूबर में होने वाले महिला टी20 विश्व कप की मेजबानी उसके हाथ से निकलने का खतरा बढ़ता जा रहा है। इसी से चिन्तित बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने अब सेना प्रमुख जनरल वकार उज जमान से टूर्नामेंट के आयोजन के लिए सुरक्षा मांगी है। बांग्लादेश में फैली हिंसा के कारण प्रधानमंत्री शेख हसीना को इस्तीफा देकर देश छोड़ना पड़ा था। इस स्थिति में महिला टी20 विश्व कप का अक्टूबर में आयोजन मुश्किल माना जा रहा है हालांकि नई सरकार बनने के बाद बीसीबी को उम्मीद है कि सेना आयोजन में सहायता करेगी।

महिला टी20 विश्व कप बांग्लादेश के सिलहट और मीरपुर में आयोजित किया जाएगा। इस टूर्नामेंट के अभ्यास मैच अगले माह 27 सितंबर से शुरू हो जाएंगे। इसी को देखते हुए ही बीसीबी ने सेना प्रमुख को पत्र लिखकर टूर्नामेंट के आयोजन के लिए सुरक्षा आश्वासन मांगा है। बीसीबी अंपायरिंग कमेटी के अध्यक्ष इफ्तिखार अहमद मिठू ने कहा, हम टूर्नामेंट की मेजबानी करने की कोशिश कर रहे हैं।

इसमें दो माह ही बचे हैं , इसलिए हमने महिला टी20 विश्व कप में सुरक्षा की गारंटी को लेकर प्रमुख को एक पत्र भेजा है क्योंकि हमारे पास अब केवल दो महीने का समय बचा है। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की भी बांग्लादेश के हालातों पर नजरें लगी हुई हैं। माना जा रहा है कि अगर हालात ठीक नहीं हुए तो आईसीसी किसी अन्य देश को इसकी मेजबानी दे सकता है। ऐसे में भारत, संयुक्त अरब अमीरात और श्रीलंका में इस विश्वकप का आयोजन हो सकता है।

भारत को दक्षिण एशिया के देशों से मिल रही है चुनौती

- चीन और अमेरिका की महाशक्तियों के बीच फंसा भारत

नई दिल्ली (ईएमएस)। बांग्लादेश में हाल ही में सत्ता परिवर्तन हुआ है। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री को देश छोड़कर भारत में शरण लेनी पड़ी है। श्रीलंका के हालात भी बेहद चिंताजनक है। श्रीलंका में 21 सितंबर को राष्ट्रपति का चुनाव होना है। राष्ट्रपति चुनाव को लेकर अमेरिका और चीन अपने-अपने उम्मीदवारों को जिताने के लिए पूरी ताकत लगा रहे हैं। भारत सरकार की वहां कोई भूमिका नहीं है। श्रीलंका राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार की दौड़ में चार उम्मीदवार हैं। राष्ट्रपति रानिल विक्रम संघे, स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। विपक्षी नेता संजीत प्रेमदासा,अनुराग कुमार दिशा नायके और महिंद्रा राजपक्षे के बेटे नमल राजपक्षे चुनाव लड़ रहे हैं।

नेपाल में भी राजनीतिक हलचल मची हुई है। यहां पर भी चीन द्वारा नेपाल की राजनीति में हस्तक्षेप किया जा रहा है। नेपाल में चीन का भारी प्रभाव है। अमेरिका और चीन की महाशक्तियां दक्षिण एशिया के देशों में अपना प्रभुत्व बढ़ाने के लिए लगातार प्रयासरत है। चीन ने भारत के पड़ोसी देशों के साथ आर्थिक और राजनीतिक रूप से अपनी भूमिका काफी बढ़ा दी है। भारत की भूमिका बिल्कुल नगन्य हो गई है। जो चिंता की बात है।

गुजरात सरकार का बड़ा फैसला

त्योहारों के दौरान अंत्योदय और बीपीएल परिवारों को अधिक चीनी और खाना पकाने का तेल मिलेगा

गांधीनगर,11 अगस्त

मुख्यमंत्री भूपेन्द्रभाई पटेल के नेतृत्व वाली हमारी सरकार ने इन परिवारों को रियायती दर पर अतिरिक्त चीनी और खाना पकाने का तेल वितरित करने का एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है ताकि राज्य के अंत्योदय और बीपीएल परिवार अच्छे से जन्माष्टमी मना सकें, खाद्य, नागरिक आपूर्ति मंत्री कुंवरजीभाई ने कहा। बावलिया.

नागरिक आपूर्ति मंत्री कुंवरजीभाई ने जानकारी देते हुए बताया कि राज्य सरकार विशेष रूप से एन.एफ.एस.ए.-2013 के तहत आने वाले परिवारों को जन्माष्टमी त्यौहार के अवसर पर गुणवत्तापूर्ण खाद्य तेल - सिंगोइल 1 लीटर पाउच प्रति कार्ड के बाजार मूल्य से काफी कम कीमत पर उपलब्ध कराती है। रियायती दर पर 100 रुपये प्रति लीटर और बीपीएल और अंत्योदय परिवारों को उपलब्ध मात्रा के अतिरिक्त बीपीएल परिवारों को 1 किलो चीनी यानी प्रति कार्ड 1 किलो चीनी दी जाएगी। रु. रियायती दर पर 22 रुपये प्रति किलो तथा अंत्योदय परिवारों को प्रति कार्ड 1 किलो। वितरण 15 रूपये की रियायती दर पर किया जा रहा है।

मंत्री ने कहा कि खाद्य, नागरिक आपूर्ति विभाग द्वारा ठप्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजनाठ के तहत ठराष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013ठ (एन.एफ.एस.ए.) के तहत कवर किए गए 74 लाख से अधिक राशन कार्ड धारक परिवारों की 3.60 करोड़ आबादी अगस्त-2024 में गेहूं, चावल और श्री अन्न मिलेगा - राज्य में 17,000 से अधिक उचित मूल्य की दुकानों पर बाजरी और ज्वार का मुफ्त वितरण किया जा रहा है।

खाद्य, नागरिक आपूर्ति राज्य मंत्री भीखुसिंहजी परमार ने अधिक जानकारी देते हुए कहा कि राज्य के लगभग 8 लाख अंत्योदय अन्न योजना (ए.ए.वाई.) परिवारों को प्रति कार्ड 15 किलोग्राम गेहूं, 15 किलोग्राम चावल और 5 किलोग्राम बाजरा, कुल मिलाकर दिया गया। 35 किलोग्राम खाद्यान्न निःशुल्क वितरित किया जाता है।

इसी प्रकार, राज्य की 66 लाख की 3.23 करोड़ आबादी को 5 किलो खाद्यान्न के हिसाब से 2 किलो गेहूं, 2 किलो चावल और 1 किलो बाजरा दिया गया। इस प्रकार, पी.एच.एच. यदि किसी परिवार में पांच व्यक्ति हैं तो 10 किलो गेहूं, 10 किलो चावल और 5 किलो बाजरा, कुल 25 किलो खाद्यान्न निःशुल्क वितरित किया जाता है।

राज्य सरकार की योजना और एन.एफ.एस.ए.-2013 के तहत प्रत्येक जरूरतमंद और प्राथमिकता वाले परिवारों को प्रोटीन युक्त आहार प्रदान करने के लिए प्रति कार्ड 1 किलो चना। रु. रियायती दर पर 30 रुपये प्रति किलो और प्रति टवरदाल कार्ड पर 1 किलो। रु. 50 रूपये प्रति किलो रियायती दर पर वितरण किया जा रहा है।

साथ ही राज्य सरकार की योजना एन.एफ.एस.ए.-2013 के तहत प्रत्येक प्राथमिक एवं प्राथमिक परिवारों को प्रति कार्ड 1 किलो नमक। रु. प्रति किलो रियायती दर पर वितरण किया जा रहा है। इस प्रकार, राज्य सरकार एन.एफ.एस.ए. 2013 के तहत शामिल प्रत्येक परिवार को प्राथमिकता और प्राथमिकता के साथ खाद्य सुरक्षा प्रदान करने के लिए इन योजनाओं के माध्यम से गुजरात के नागरिकों के समग्र विकास की दिशा में प्रगति कर रही है। वितरण 15 रूपये की रियायती दर पर किया जा रहा है।

गुजरात में आज सार्वभौमिक बारिश का अनुमान, अहमदाबाद में सुबह से बूंदाबांदी

अहमदाबाद,11 अगस्त

मौसम विभाग ने लगातार बारिश के बीच आज गुजरात में हल्की से मध्यम बारिश की भविष्यवाणी की है. जिसमें अहमदाबाद के कई इलाकों में सुबह-सुबह बूंदाबांदी शुरू हो गई है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक, साबरकांठा, अरावली, महिसागर, खेड़ा, आनंद, अहमदाबाद, गांधीनगर, नर्मदा, भरूच, छोटा उदेपुर, पंचमहल, दाहोद, वडोदरा, सूरत, तापी, नवसारी, डांग, वलसाड में मध्यम बारिश हो सकती है। आज।

रविवार से राज्य के अधिकांश हिस्सों में बारिश की तीव्रता कम हो जाएगी, लेकिन दक्षिण गुजरात के कुछ हिस्सों में बारिश जारी रहने की संभावना है. फिलहाल बंगाल की खाड़ी में कोई बड़ा सिस्टम नहीं बन रहा है, यानी कम दबाव का क्षेत्र बनने और गुजरात की ओर बढ़ने की संभावना नहीं है। इसलिए अगले एक सप्ताह तक राज्य में भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना नहीं है।

राज्य में अब तक औसतन 68.98 फीसदी बारिश दर्ज की गई है. जिसमें कच्छ में सबसे ज्यादा 86.72 फीसदी, जबकि दक्षिण गुजरात में 84 से ज्यादा मानसून सीजन की 82.95 फ़ीसदी बारिश हो चुकी है.इसके अलावा सौराष्ट्र में अब तक मानसून सीजन की 78.34 फीसदी बारिश दर्ज का गई है. उत्तर गुजरात में अब तकसीजनका 51.51 प्रतिशत औरमध्य गुजरात में अबतक 50.73 प्रतिशत मानसून बारिश हुई है।

नर्मदा नदी में छोड़ा गया 1लाख 35 हजार क्यूसेक पानीः जिला प्रशासन अलर्ट पर

वडोदरा,11 अगस्त

लगातार हो रही बारिश और ओंकारेश्वर बांध से पानी छोड़े जाने के कारण सरदार सरोवर बांध का जलस्तर लगातार बढ़ने के कारण रविवार को सरदार सरोवर बांध के 9 गेट 1.50 मीटर तक खोल दिए गए, जिससे 90,000 क्यूसेक पानी बहेगा. बांध का निचला क्षेत्र.

रिवर बेड पावर स्टेशन (आर.बी.पी.एच.) की 6 मशीनों और सरदार सरोवर बांध के गेटों के संचालन से कुल 1 लाख 35 हजार क्यूसेक पानी नर्मदा नदी में छोड़ा जाएगा। प्रभारी कलेक्टर श्रीमती ममता हिरपारा ने कहा कि वडोदरा जिले में नर्मदा नदी तट पर शिंशोर, दाभोई और करजन तालुका के कुल 25 गांवों में सतर्कता और एहतियाती कदम उठाए गए हैं। इन गांवों के तलाटी और तालुका संपर्क अधिकारियों को मुख्यालय में उपस्थित होने और एहतियाती कदम उठाने का निर्देश दिया गया है।

दाभोई तालुक के चंदोद, करनाली और नंदेरिया, करजन तालुक के अंबाली, बरकल, देवार, मालसर, दरियापुरा, मोलेथा, झांझड, कंजेथा, शिनोर, मांडवा, सुरशमल और पुरा, आलमपुरा, राजली, लिलाईपुरा, नानी कोरल, बिगी कोरल, जूना सर, सागरोल, ओज, सोमज, देलवाड़ा, अरजपुरा गांव शामिल हैं।

नर्मदा बांध से पानी छोड़े जाने की संभावना को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन द्वारा इन तीन तालुकाओं के उक्त 25 गांवों के नागरिकों से नदी तल पर न जाने की अपील की गई है।

उन्होंने कहा कि सरदार सरोवर बांध के निचले इलाकों में किसी भी दुर्घटना या हताहत से बचने के लिए सुरक्षा उपाय किए जा रहे हैं। जिला आपदा प्रबंधन बोर्ड द्वारा बाढ़ की स्थिति पर नजर रखी जा रही है. आपदा के समय 1077 नंबर पर संपर्क किया जा सकता है। इन तीन तालुकाओं के उक्त 25 गांवों के नागरिकों से अपील की गई है कि वे नर्मदा बांध से पानी छोड़े जाने की संभावना को ध्यान में रखते हुए नदी के किनारे न जाएं।

वडोदरा में गणेशोत्सव से पहले श्रीजी की शोभा यात्रा के मुद्दे पर पुलिस और गणेश मंडलों के बीच गतिरोध

वडोदरा ,11 अगस्त,

वडोदरा में गणेशोत्सव से पहले श्रीजी की आगमन यात्राओं के मुद्दे पर पुलिस-गणेश मंडलों के बीच गतिरोध श्रीजी की आगमन यात्रा के मुद्दे पर पुलिस और गणेश मंडलों के बीच गतिरोध को शांतिपूर्वक हल करने के लिए पुलिस आयुक्त द्वारा बुलाई गई बैठक स्थगित कर दी गई है। एक ओर जहां वडोदरा में गणेशोत्सव धूमधाम से मनाया जा रहा है और डुंडाला देव 7 सितंबर से दस दिनों के लिए आतिथ्य का आनंद लेने आ रहे हैं, वहीं श्रीजी की आगमन यात्रा के मुद्दे पर विवाद खड़ा हो गया है.

पुलिस आयुक्त ने आज प्रतापनगर पुलिस मुख्यालय में गणेश मंडलों के साथ बैठक की, जिसमें डीजे की आवाज, कृत्रिम झील में डिस्चार्ज, तय रूट पर समय के अनुसार यात्रा जैसे मुद्दे प्रमुख रहे .

लेकिन गणेश मंडलियों ने श्रीजी की शोभा यात्रा के मुद्दे पर नाराजगी व्यक्त की, क्योंकि पुलिस ने श्रीजी की प्रतिमा को पंडाल में ले जाने के बाद 27 अगस्त के बाद ही शोभा यात्रा निकालने पर जोर दिया, जिससे मंडली असहमत हो गई सजावट के लिए काफी समय एक अनुमान के मुताबिक 27 तारीख से पहले 50 से ज्यादा लोग चले जाते हैं। गणेश मंडलों की नाराजगी को देखते हुए पुलिस आयुक्त ने कल फिर एक बैठक बुलाई है, जिसमें गणेशोत्सव के दौरान किसी भी तरह के मनमुटाव से बचने और शांतिपूर्वक उत्साह के माहौल में जश्न मनाने पर चर्चा की जाएगी।

रावपुरा घाटचिकर में विराजित गणेश जी का जुलूस आज निकलने वाला था, लेकिन पुलिस की अनुमति नहीं मिलने के कारण जुलूस निर्धारित स्थान से रवाना नहीं हो सका कहा कि अपर्याप्त पुलिस स्टाफ के कारण यह फैसला लिया गया है, हालांकि पुलिस कमिश्नर संगठों के साथ सौहार्दपूर्ण माहौल में मामले को सुलझाने के पक्ष में हैं और इसीलिए उन्होंने कल एक और बैठक बुलाई है.

भारत 2047 थीम वाले स्कूल के छात्रों ने अपनी कल्पना के भित्ति चित्र बनाए

वडोदरा,11 अगस्त

वडोदरा नगर निगम की नगर प्राथमिक शिक्षा समिति के अकोटा स्थित मान भारती प्राइमरी स्कूल के कक्षा 6 से 8 तक के 26 बच्चे ठभारत-2047ठ थीम पर स्कूल परिसर की दीवार पर पेंटिंग करके अपनी कल्पनाओं को प्रस्तुत कर रहे हैं। कल से पेंटिंग शुरू कर दी गई है. और आज शाम तक तस्वीरें पूरी हो जाएंगी ऐसी 30 तस्वीरें छात्रों ने तैयार की हैं. स्कूल के प्रिंसिपल धवलभाई पटेल के मुताबिक, इस स्कूल की चहारदीवारी बेजान थी, लेकिन बच्चों की चित्रकारी से यह जीवंत हो गई है। बच्चों ने साल 2047 में भारत कैसा होगा, इसकी कल्पना को दर्शाते हुए चित्र बनाए हैं।

अहमदाबाद और वडोदरा के बीच बुलेट ट्रेन परियोजना अभी निर्माणाधीन है, लेकिन एक बच्चे ने तस्वीर बनाई है कि वर्ष 2047 में पृथ्वी और चंद्रमा के बीच बुलेट ट्रेन चलेगी। एक अन्य बच्चे ने कल्पना की है कि अब सरकारी स्कूल के बच्चे स्कूल आते हैं बस से. लेकिन उस समय बच्चे उड़ने वाली कारों में आ रहे होंगे। लोगों के ज्यादातर काम रोबोट करेंगे. एक बच्चे ने कल्पना की है कि साल 2047 में पृथ्वी के इंसान दूसरे ग्रहों के लोगों से संवाद कर सकेंगे. उन्होंने आगे कहा कि स्कूलों के माध्यम से वर्ष 2047 के भारत के बारे में बच्चों की प्रतिक्रियाएँ आमंत्रित की गईं। जिसमें जिन बच्चों के चित्रों का चयन किया गया, उन्हें वडोदरा के जाने-माने चित्रकारों द्वारा चार से पांच सत्रों में बुनियादी प्रशिक्षण दिया गया और चित्र कैसे तैयार करना है,

लाइट बिल से मिला 'करंट': छत पर रहने वाले परिवार को बिजली कंपनी ने थमाया 20 लाख का बिल.

नवसारी,11 अगस्त

नवसारी जिले में साउथ गुजरात पावर कंपनी लिमिटेड. एक बड़ी लापरवाही सामने आई है. बेलीमोरा में मजदूरी कर जीविकोपार्जन करने वाले परिवार को बिजली कंपनी ने 20 लाख का बिल थमाया है. गरीब परिवार को उस समय झटका लगा जब कंपनी ने 2 हजार प्रति माह बिल आने वाले परिवार पर 20 लाख रुपये का बिल थमा दिया। बाद में कंपनी ने अपनी गलती सुधारी.

प्राप्त विवरण के अनुसार, नवसारी में डीजीवीसीएल की एक बड़ी लापरवाही सामने आई है। जिले के बिलीमोरा में एक पेट्रोल पंप पर काम करने वाली महिला को घर में केवल चार पंखे, एक टीवी और एक फ्रिज होने के बावजूद बिजली कंपनी ने 20 लाख रुपये का लाइट बिल भेज दिया है। इसके साथ ही परिवार के घर में ये तीन सदस्य काम पर गए हुए हैं। इसके बावजूद एकमुश्त 20 लाख का बिल मिलने से परिवार के लोग हैरान रह गए। डीजीवीसीएल के मीटर रीडर ने उन्हें जून-जुलाई माह की बिजली खपत का 20 लाख 1 हजार 902 रुपये का बिल दे दिया.

पेट्रोल पंप पर काम करने वाली पेंटिका पटेल ने बताया कि हमारे परिवार में चार लोग हैं और मैं पेट्रोल पंप पर काम करती हूं। हमारे घर में चारबल्ब, चार पंखे, एक फ्रिज और एक टीवी है। चार में से तीन सदस्य पूरे दिन काम पर जाते हैं। आमतौर पर बिजली का बिल हर दो महीने में 2,000 से 2,500 रुपये ही आता है, जिसे हम समय पर चुकाते हैं. हमारा कोई बिल बकाया नहीं है, लेकिन जो ताजा बिल आया है, उसने हमारी चिंता बढ़ा दी है.

जब हमने इसकी शिकायत बिजली कंपनी कार्यालय के अधिकारी से की तो उन्होंने हमें पैसे देकर आवेदन करने को कहा. इसलिए हमें अपना काम बिगाड़ कर बिजली कंपनी के दफ्तर की ओर भागना पड़ा. हालांकि जब इसकी जानकारी जीईबी अधिकारी को हुई तो उन्होंने तुरंत मीटर रीड की गलती को सुधारा और एक घंटे के अंदर नया बिल जारी कर दिया. तो परिवार को भी राहत मिली.

तिरंगा यात्रा के बाद मार्ग पर सभी वाहनों के लिए कोई पार्किंग नहीं

वडोदरा,11 अगस्त

तिरंगा यात्रा के दौरान यातायात को आसान बनाने के लिए, यात्रा के मार्ग पर नो पार्किंग और नो एंट्री की घोषणा की गई है।

निगम की ओर से आगामी 12 तारीख को शाम चार बजे हर घर तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया है. उस यात्रा में राज्य के मुख्यमंत्री, गृह मंत्री भी मौजूद रहेंगे. यात्रा नवलखी मैदान से राजहेल रोड, कीर्तिस्तंभ सर्कल, खंडेराव मार्केट चार रास्ता, वीर भगत सिंह चौक, लाल कोर्ट, गांधीनगर हाउस पहुंचकर समाप्त होगी। इस यात्रा के दौरान नागरिकों को असुविधा से बचाने के लिए पुलिस आयुक्त ने नो पार्किंग और नो एंट्री को लेकर अधिसूचना जारी की है. यात्रा मार्ग पर सभी प्रकार के वाहनों के लिए नो पार्किंग की घोषणा की गई है। साथ ही इस मार्ग की ओर आने वाली सभी सड़कों पर वाहनों के लिए नो एंट्री की घोषणा कर दी गई है.

300 मीटर लंबे राष्ट्रीय ध्वज के साथ भुज में शुरू हुई तिरंगा यात्रा...

भुज,11 अगस्त

सांसद विनोद चावड़ा ने राष्ट्रीय स्वतंत्रता दिवस समारोह के तहत 'हर घर तिरंगा' के राष्ट्रव्यापी अभियान के तहत आज भुज जुबली ग्राउंड से 300 मीटर लंबी राष्ट्रीय ध्वज-तिरंगी रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस रैली में बड़ी संख्या में पुलिस कर्मी, होम गार्ड कर्मी, स्कूली बच्चे, पारंपरिक लोक नृत्य कलाकार, अन्य कलाकार, पुलिस बैंड, खिलाड़ी, प्रतिष्ठित हस्तियां, सोशल मीडिया प्रभावशाली लोग, सामाजिक संगठन और बड़ी संख्या में नागरिकों ने भाग लिया।

रैली जुबली ग्राउंड से शुरू होकर शहर के मुख्य मार्ग से होते हुए हमीरसर तट पर गांधी जी की प्रतिमा के पास समाप्त हुई. शहर की मुख्य सड़कों पर हजारों तिरंगे लेकर निकले छात्रों, पुलिस व होम गार्ड के जवानों, देशभक्त नागरिकों के देशभक्ति नारों से शहर की सड़कें गूंज उठीं.

देशभर में चलाए जा रहे 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत आज अहमदाबाद जिले के डेट्रोज तालुका के 44 गांवों में ग्रामीणों ने विशाल हर घर तिरंगा यात्रा का आयोजन किया, जिसमें गांव के नेताओं, छात्रों और युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस तिरंगा यात्रा में तालुका पदाधिकारी भी शामिल हुए.

78वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मेहसाणा जिले में हर घर तिरंगा अभियान के तहत निबंध प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता, तिरंगा रैली जैसे कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं. स्कूल की 18 छात्राओं द्वारा भारत का 25 फीट गुणा 30 फीट का नक्शा तैयार किया गया. इसमें गुजरात राज्य को भी एक अलग रंग में दिखाया गया था, देश के तिरंगे को भी रंगोली रंग के साथ देश के नक्शे में प्रदर्शित किया गया था। इस देश के नक्शे की सीमा पर करीब 83 छात्राओं को रखा गया था.

सार्वजनिक स्थानों पर तिरंगे फहराए जा रहे हैं, जिसके तहत अहमदाबाद के साणंद में एसटी बस स्टैंड पर भी तिरंगे फहराए गए। इसके अलावा बस में सफर कर रहे नागरिकों को भी तिरंगे बांटकर इस अभियान में शामिल किया गया. साथ ही एसटी. डिपो मैनेजर नई पहल शुरू कर रहे हैं एसटी. बस आंदोलन की घोषणा के साथ ही हर घर तिरंगा अभियान की अपील भी शुरू की गई है.

मिलॉर्ड! मैं मां बनना चाहती हूं, पति नहीं तो किसी और के स्पर्म की दें इजाजत

अहमदाबाद,(ईएमएस)। गुजरात में मां बनने के लिए एक महिला ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। महिला मांग की है कि उसकी उम्र 40 साल है। ऐसे में वह जल्द मां बनना चाहती है। महिला ने हाईकोर्ट से मांग कि उसे पति के स्पर्म दिलाए जाएं। अगर ऐसा संभव नहीं है तो उसे कोई दूसरे स्पर्म डोनर की अनुमति दी जाए, ताकि वह आईवीएफ के जरिए मां बन सके। महिला ने दलील रखी कि मां बनना उसका अधिकार है। वक्त के साथ उसके मां बनने की संभावनाएं कम होती जा रही हैं।

महिला की अर्जी पर सुनवाई करते हुए जस्टिस संगीता विसेन ने पूछा कि क्या उसका पति तलाक का मुकदमा दायर करने के बाद उसकी मदद करने को तैयार होगा? कोर्ट ने आश्चर्य जताया हुए कहा कि एक ऐसे व्यक्ति को निर्देश कैसे जारी किया जाए? जो अपनी पत्नी को तलाक देने के लिए केस दायर कर चुका है। ऐसे में हम उसे कैसे मां बनाने के लिए स्पर्म दान करने के निर्देश दे सकते हैं।

जस्टिस ने कहा कि महिला को पहले दोनों केस तलाक का मुकदमा और वैवाहिक अधिकारों की बहाली के निचली अदालत में फैसला लेना चाहिए। जस्टिस की इस टिप्पणी के बाद भी जब महिला के वकील ने हाईकोर्ट से हस्तक्षेप करने पर जोर दिया तो जस्टिस विसेन ने कहा कि उसका पति तलाक चाहता है, इसलिए वह मदद के लिए उससे मदद नहीं मांग सकती और इसके बजाय खुद ही किसी अन्य स्पर्म दाता की तलाश कर सकती है।

कोर्ट ने पूछा कि महिला ने क्या इसके लिए किसी चिकित्सा अधिकारी के पास आवेदन दिया है। ऐसे में जब उसका पति अलग रह रहा है। हाईकोर्ट ने महिला को याचिका में उठाई गई शिकायत के साथ चिकित्सा अधिकारी से संपर्क करने को कहा। अदालत ने कहा कि इस स्तर पर उसकी याचिका स्वीकार नहीं की जा सकती है। महिला ने अपनी याचिका वापस ले ली और उसे इस बात की स्वतंत्रता दी कि वह प्रजनन तकनीक के जरिए गर्भधारण के लिए चिकित्सा अधिकारियों को आवेदन देकर जो प्रक्रिया अपनाती है, उसमें जो कुछ भी घटित होता है, उसके बाद वह फिर से हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटा सकती है।

बता दें महिला अपने पति से पांच साल से अलग रह रही है। पति ने तलाक के 2019 में केस दायर किया था। तलाक के मामले के लंबा खिंचने के बाद जब महिला के मां बनने की संभावना कम होने लगी तो उसने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की। महिला की दलील थी कि 40 साल की उम्र होने के बाद प्राकृतिक तौर पर उसके गर्भधारण की संभा वना कम होती जा रही है और मां बनना उसका मौलिक अधिकार है। न्यायाधीश ने कहा कि महिला को पहले अपने दो मामलों (तलाक का मामला और वैवाहिक अधिकारों की बहाली) का फैसला निचली अदालत से करवाना चाहिए। जज की टिप्पणी के बाद भी जब महिला के वकील ने हाई कोर्ट से हस्तक्षेप करने को कहा तो कोर्ट ने कहा कि चूंकि उसका पति तलाक चाहता है, इसलिए वह उससे मदद नहीं मांग सकती है और इसके बजाय वह खुद किसी अन्य डोनर से संपर्क कर सकती है. महिला ने दलील रखी कि मां बनना उसका अधिकार है।

अफसरों और वीवीआईपी के लिए गुजरात पुलिस ने रखा काला कुत्ता कोड

अहमदाबाद (ईएमएस)। गुजरात हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति एवाय कोगजे और न्यायमूर्ति समीर दुबे की पीठ ने जर्जर सड़कों, आवारा पशुओं और ट्रैफिक समस्या की अवमानना याचिका पर सुनवाई कर रही थी।

सुनवाई के दौरान पुलिस द्वारा काला कुत्ता कोड वर्ड पर भी चर्चा हुई। गुजरात की ट्रैफिक पुलिस सरकारी अधिकारियों और वीवीआईपी वाहनों के लिए काला कुत्ता कोड वर्ड का इस्तेमाल करती है। वीवीआईपी वाहनों का चालान ट्रैफिक पुलिस द्वारा नहीं किया जाता है। हाईकोर्ट ने अभी तक ठोस कार्यवाही नहीं किए जाने पर नाराजगी प्रकट की।

लेनोवो ने 'बैक टू कॉलेज' ऑफर की घोषणा कीः नोटबुक और डेस्कटॉप पर बड़ी बचत का मौका

August, 2024 – लेनोवो के एक्सक्लूसिव बैक-टू-कॉलेज ऑफर के साथ एक शानदार एकेडमिक साल की तैयारी करें, जो उनके नए नवेले लैपटॉप और डेस्कटॉप पर 18 अगस्त, 2024 तक मान्य है। चाहे आपको अपने असाइनमेंट पूरे करने के लिए एक विश्वसनीय डिवाइस की आवश्यकता हो, या किसी क्रिएटिव प्रोजेक्ट के लिए पॉवरफुल परफॉर्मेंस की आवश्यकता हो, या अपनी कॉलेज लाइफ में तेजी से सफलता के लिए बेहतरीन टेक्नोलॉजी की आवश्यकता हो - हर ज़रूरत के लिए एक बेहतरीन डिवाइस उपलब्ध है। बेहतरीन डिवाइस खोजें और बेहतरीन तकनीकी समाधानों पर अविश्वसनीय छूट का लाभ उठाएँ, वह भी अतुलनीय कीमतों पर।

एक-दो घंटे लेट और चांदीपुरा वायरस पर सवाल पूछने पर केंद्रीय मंत्री ने लपक लिया

अपडेट किया गयाः 11 अगस्त,

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. राजकोट में नड्डाः शनिवार (10 अगस्त) को राजकोट में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा की प्रेस कॉन्फ्रेंस हुई। लेकिन 3 बजे के बजाय 5 बजे आए केंद्रीय मंत्री 7 मिनट तक विकास की बात करते रहे और सवाल शुरू होते ही चलते बने. उन्होंने कहा कि गंभीर बात यह है कि उन्हें इस कार्यक्रम के बारे में पता ही नहीं था. तिरंगा यात्रा और एम्स के कार्यक्रम के लिए दोनों स्थानों पर गणमान्य लोग डेढ़ से दो घंटे तक इंतजार करते रहे।

गुजरात में फैले चांदीपुरा वायरस पर ही सवाल पूछते समय केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा खड़े हो गए. हालांकि, केंद्रीय मंत्री ने देर से आने के कारण हुई असुविधा के लिए माफी मांगी और कहा कि यह कार्यक्रम उनके शेडयूल में नहीं था. इस बारे में भाजपा नेताओं से संपर्क करने पर उन्होंने यह कहकर जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लिया कि यह कार्यक्रम एम्स द्वारा आयोजित किया गया था। कुल मिलाकर एम्स और बीजेपी के बीच तालमेल की कमी भी उजागर हो गई. बता दें कि एम्स और स्थानीय नागरिकों के बीच समन्वय बनाए रखने के लिए पहले एक पूर्व स्थानीय सांसद को एम्स का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था. लेकिन एक सप्ताह के अंदर ही उनसे इस्तीफा ले लिया गया और अब भी किसी स्थानीय नेता की नियुक्ति नहीं की गयी है.

जैसे ही केंद्रीय मंत्री के साथ कारों का काफिला एम्स परिसर में पहुंचा, वीवीआईपी कारों में से एक का टायर एम्स गेट के पास डिवाइडर से टकराने के बाद फट गया। जिसकी तीव्र ध्वनि से कुछ लोग भागने लगे। हालाँकि, बाद में टायर तुरंत बदल दिया गया।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने इन सवालों का जवाब नहीं दिया गुजरात में चांदीपुरा वायरस से अब तक 71 बच्चों की मौत हो चुकी है, चांदीपुरा निगेटिव रिपोर्ट से भी बच्चों की मौत हो चुकी है, कारण और निष्कर्ष? आधुनिक एम्स मिलने के बावजूद देश में शोध अपर्याप्त क्यों है, किसी भी महामारी विज्ञान के रुझान पर कोई दिशानिर्देश जानकारी, निष्कर्ष क्यों जारी नहीं किए जाते हैं? गुजरात में प्रति माह 7000 से अधिक कार्डियक अरेस्ट में से केवल 108 को आपातकालीन स्थिति के रूप में रिपोर्ट किया जाता है, युवाओं में अचानक मृत्यु का क्या कारण है? सरकार ने कोई अध्ययन किया है, करना चाहती है? देश के सार्वजनिक स्वास्थ्य पर जलवायु परिवर्तन के आसन्न प्रभाव को संबोधित करने के लिए क्या कदम उठाए जा सकते हैं? 3 साल से काम चल रहा है, राजकोट एम्स पूरी क्षमता से कब चालू होगा? राजकोट एम्स में अब तक किसी को अध्यक्ष नियुक्त क्यों नहीं किया गया, इसे पहले क्यों रद्द किया गया? डॉक्टर द्वारा लिखी गई दवा और जेनेरिक दवा के बीच कीमत में भारी अंतर होने के बावजूद निजी अस्पताल मरीज़ों को दवा का जेनेरिक रूप क्यों नहीं लिखते? नागरिकों को निजी कंपनियों से मेडिक्लेम पॉलिसी जैसी मुफ्त सेवाएं कब मिलेंगी? मानसून के दौरान देश में मौजूदा महामारी की स्थिति क्या है? कौन से मामले बढ़ रहे हैं? पैकेज्ड फूड में ट्रांसफैट, सोडियम आदि की अधिक मात्रा से हार्ट अटैक, शुगर का खतरा क्या है? सरकार ने क्या प्रतिबंध लगाए? कितना क्रियान्वयन?

सोने के सिक्कों के नाम पर 1.40 करोड़ की ठगी करने वाली महिला गिरफ्तार

वडोदरा,11 अगस्त,

पिछले चार साल से फरार चल रही वडोदरा के वारसिया इलाके में रहने वाली मार्गबाद की एक महिला को पुलिस ने पकड़ लिया, जो ठगों के गिरोह में शामिल थी, जो एक युवक से यह कहकर 1.40 करोड़ रुपये नकद लेकर फरार हो गई थी। घर की खुदाई के दौरान मिले थे सोने के सिक्के

इस संबंध में विवरण इस प्रकार है कि वडोदरा में रहने वाला एक व्यक्ति एसेंट कार लेकर मुंबई जा रहा था, जबकि 5 अज्ञात व्यक्ति किराया चुकाकर कार में मुंबई के लिए रवाना हुए। सड़क से गुजर रहे एक व्यक्ति ने कहा कि वह एक साइट चलाता है जहां मजदूरों को खुदाई के दौरान पैसे और सोने के सिक्के मिले हैं और उसने युवक को एक सोने का सिक्का दिखाया और उससे कहा कि वह इस बारे में किसी को न बताए और अगर उसे सोने के सिक्के चाहिए तो हमसे संपर्क करें। बाद में युवक गिरोह के संपर्क में आया, इस दौरान गिरोह ने युवक को 30 सोने के सिक्के दिखाए जो असली पाए गए।

युवक अपनी बचत राशि 1.40 करोड़ रुपए लेकर सोने के सिक्के खरीदने गया था, कड़ोदरा चार रास्ते से बारडोली जा रहे रास्ते में एक अज्ञात महिला और दो अज्ञात लोगों ने उसे सोने के सिक्कों से भरी थैली थमा दी और पैसों से भरा बैग ले लिया जब वे इसे कराने के लिए अपनी कार में बैठे थे, तभी अज्ञात व्यक्ति कार से बाहर निकले और यह कहते हुए भाग गए कि उन्हें मतली और उल्टी हो रही है। इस संबंध में वर्ष 2020 में सूरत गांव के कड़ोदरा थाने में अपराध दर्ज होने के बाद से वडोदरा के वारसिया इलाके के जय अंबे मोहल्ले में रहने वाली ठग महिला जीवनलाल परमार फरार थी.

वड़ोदरा डिवीज़न के 40 रेल कर्मचारियों को मिला डीआरएम अवार्ड

पश्चिम रेलवे के वड़ोदरा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री जीतेंद्र सिंह ने मंडल के 40 रेल कर्मियों को सुरक्षित ट्रेन परिचालन में उत्कृष्ट कार्य निष्पादन के लिए सम्मानित किया। इन रेल कर्मियों को डयूटी के दौरान उनकी सजगता एवं सतर्कता के कारण अप्रिय घटनाओं को रोकने में उनके योगदान के लिए प्रमाण-पत्र एवं मेडल प्रदान कर सम्मानित किया।

वडोदरा मंडल के वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी श्री शरद गौतम ने बताया कि ट्रैक मेन्टेनर श श्री सुरेन्द्र कुमार, श्री शंकुल कुमार, श्री कमलेश कुमार सिंह, श्री ध्रुव कुमार, श्री संजीत कुमार मेहता, श्री छतु गंझु, श्री ओम प्रकाश सिंह पी. यादव, श्री कौशिकभाई सोलंकी, श्री अजय कुमार वाजभाई, वरिष्ठ खंड अभियंता श्री लोकेश कुमार मीना, कनिष्ठ अभियंता श्री लोकेश कुमार सैनी, सहायक श्री आशीष कुमार, स्टेशन मास्टर श्री गोपाल लाल मीना, श्री सुजीत कुमार, श्री योगेश चंद्र शर्मा, श्री बेचन प्रसाद, श्री आशीष कुमार आज़ाद, स्टेशन अधीक्षक श्री अखिलेश कुमार झा, ट्रेन मेनेजर श्री निलेश डी. नागरकर, पॉइंटसमेन पारुल परमार, श्री प्रेम कुमार, श्री रणजीत महतों, श्री विकास कुमार गुप्ता, श्री सचिन कुमार, श्री रामराज मीना, सहायक श्री रोहित यादव, श्री महेश, तकनीशियन श्री जतीन महिडा, श्री जिग्नेश जी. रावल, लोको पायलट श्री धवल सोलंकी, श्री भगवान सिंह के., श्री मुकेश सी. वरीया, श्री शैलेन्द्र कुमार, श्री राकेश मीना, श्री अरविंद कुमार, श्री दीपक कुमार, सीनियर सेक्शन इंजीनियर श्री पंकज कुमार महतो, स्टाफ नर्स श्री विजय कुमार धनेशा, डीईई श्री जनार्दन प्रसाद तथा तकनीशियन श्री जशवंत ऐ मारवाड़ी को योग्यता प्रमाण-पत्र एवं मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया । सभी सम्मानित कर्मचारियों ने रेल संरक्षा में त्रुटि पाई जाने पर तुरन्त उचित कार्यवाही करके अप्रत्याशित घटना और संभावित क्षति से बचाया है।

मंडल रेल प्रबंधक श्री जीतेंद्र सिंह ने इन सजग सरंक्षा रेल प्रहरी की हौसला अफजाई की। श्री सिंह ने कहा कि यात्रियों की सरंक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है एवं जब रेलकर्मी अपनी डयूटी के दौरान सजगता और सतर्कता से काम करते हैं तो हमें सेफ ट्रेन वर्किंग में मदद मिलती है। हमें इन रेल कर्मियों पर गर्व है।

पश्चिम रेलवे - वडोदरा मंडल

जीआरसी की आपूर्ति और स्थापना

ई-निविदा सूचना संख्याः CPM-GSENGG-BRC-05R-24-25 भारत के राष्ट्रपति के लिए ओर से मुख्य परियोजना प्रबंधक (गति शक्ति), पश्चिम रेलवे, प्रतापनगर, वडोदरा - 390004 द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए मुहरबंद -निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। **ई-निविदा संख्या :** CPM-GS-ENGG-BRC-05R-24-25 **कार्य का नाम :** वडोदरा मंडलः प्रतापनगर स्टेशन पर पुराने और नए स्टेशन भवनों में जीआरसी क्लैडिंग तत्वों की आपूर्ति और स्थापना। **अनुमानित लागत कार्य :** ₹1,23,36,264.63 [एक करोड़ तेईस लाख, छत्तीस हजार दो सौ चौसठ और तिरसठ पैसे मात्र] जमा की जाने वाली **बयाना राशि :** ₹2,11,700/- [दो लाख, ग्यारह हजार, सात सौ मात्र] **बोली लगाने के लिए ऑनलाइन निविदा की उपलब्धता** : 16.08.2024 को 11.00 बजे **से** : 30.08.2024 को 15.00 बजे तक बोली खोलने की तिथि और समय : 30.08.2024 को 15.30 बजे।निविदा दस्तावेज की लागत (वापसी योग्य नहीं), ईएमडी, पात्रता मानदंड, कार्य की समान प्रकृति, विस्तृत निविदा शर्तों से संबंधित विस्तृत सूचना के लिए कृपया www.ireps.gov.in पर जाएं। **मैनुअल प्रस्तावों पर विचार नहीं किया जाएगा।** 152

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

मालिक, मुद्रक-प्रकाशक व सम्पादक : लक्ष्मीचन्द जी. अग्रवाल द्वारा ब्रिजाशा ऑफसेट, सरसपुर, अहमदाबाद में मुद्रित करवाकर, स्वेतप्रित बिल्डिंग, खासवाड़ी, बहुचराजी रोड़, वड़ोदरा से प्रकाशित किया। प्रातःकालीन E-mail: janhitaishi@yahoo.co.in Mob.9375504122 R.N.I. 64278/96